twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | गुरूवार, 28 अगस्त, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 281, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट के लिए दो जज नियुक्ति किये

नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उच्चतम न्यायालय के लिए दो जजों की नियुक्ति की है। राष्ट्रपति ने बांबे उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस आलोक आराधे और पटना उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस वीएम पंचोली को उच्चतम न्यायालय के जज के रुप में नियुक्त किया है। इसके पहले 25 अगस्त को उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने दोनों नामों को उच्चतम न्यायालय के जज के रुप में नियुक्त करने की हरी झंडी दी थी। उच्चतम न्यायालय में फिलहाल चीफ जस्टिस समेत जजों की कुल संख्या 32 है। इन दो नियुक्तियों के साथ ही उच्चतम न्यायालय में जजों की कुल संख्या 34 के बराबर हो जाएगी।

अधिवक्ताओं ने फूंका दिल्ली के एलजी का पुतला और नारेबाजी की

नई दिल्ली

दिल्ली के पुलिस थानों से ही वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये गवाही देने की अनुमति देने के मामले में दिल्ली के वकीलों ने बुधवार को राऊज एवेन्यू कोर्ट परिसर में उप राज्यपाल का पुतला फूंका और नारे लगाए। निचली अदालतों के वकीलों के पक्ष में दिल्ली उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने भी अपना समर्थन जताते हुए वकीलों से काली पट्टी पहनने का आह्वान किया है। उच्चतम न्यायालय एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन ने भी निचली अदालत के वकीलों का समर्थन करते हुए उप राज्यपाल के नोटिफिकेशन को वापस लेने की मांग की है। पटियाला हाउस कोर्ट के बाहर भी वकीलों ने सड़कों पर प्रदर्शन किया। कड़कड़डूमा कोर्ट के वकीलों ने कृष्णा नगर रेड लाइट पर जाम लगा दिया। दिल्ली की सभी निचली अदालतों में वकीलों ने न्यायिक बहिष्कार के तहत अलग-अलग तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। वकीलों ने कोर्ट परिसर में पुलिस और सरकारी वकीलों समेत ईडी, सीबीआई और नायब कोर्ट को प्रवेश नहीं करने दिया। वकीलों ने 26 अगस्त को अल्टीमेटम दिया था कि अगर 8 बजे तक अगर उप राज्यपाल के नोटिफिकेशन को वापस नहीं लिया गया, तो 27 को भी हड़ताल जारी रहेगी।

वैष्णो देवी में लैंडस्लाइड से मौत का आंकड़ा 32 हुआ

कई लापता; चश्मदीद बोले- बड़े-बड़े पत्थर अचानक गिरने लगे और सब तबाह हो गया

जम्मू

जम्मू के कटरा स्थित वैष्णो देवी धाम के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर बुधवार को 32 हो गया। हादसा मंगलवार को दोपहर 3 बजे पुराने ट्रैक पर अर्धकुमारी मंदिर से कुछ दूर इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ। कल देर रात तक 7 लोगों के मरने की खबर थी, लेकिन सुबह आंकड़ा बढ़ गया। बड़े-बड़े पत्थर, पेड़ और मलबा में दबने से ज्यादा नुकसान हुआ है। एक चश्मदीद ने बताया- बड़े-बड़े पत्थर अचानक गिरने लगे और सब तबाह हो गया। प्रशासन का कहना है कि 23 से ज्यादा लोग जख्मी हैं। कई लापता हैं। मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है।

फिलहाल, इस इलाके में भारी बारिश की वजह से वैष्णो देवी यात्रा स्थगित कर दी गई है। मंगलवार को जम्मू शहर में 24 घंटे से भी कम समय में 250 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। इससे कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात हैं। घरों और खेतों में पानी भर गया है। नॉर्दर्न रेलवे ने भी आज जम्मू-कटरा से चलने वाली और यहां रुकने वाली 22 ट्रेनें रद्द की हैं। इसके अलावा 27 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। हालांकि, कटरा-श्रीनगर के बीच ट्रेन सर्विस जारी है।

लोगों की आपबीती: परिवार साथ था, पल में सब कुछ बिखर गया

एक श्रद्धालु ने बताया, 'मैं और मेरा पूरा परिवार साथ जा रहे थे। मेरे बच्चे और पत्नी आगे निकल गए। फिर बहुत जोर से चट्टान गिरी। हमें कुछ समझ नहीं आया। अब मेरा बच्चों का कुछ पता नहीं चल रहा है। हम डरे हुए हैं। पल भर में हमारा सब कुछ बिखर गया।'

एक और व्यक्ति ने बताया, 'मैं पीछे था। मेरे साथ आए 6 लोग मेरे आगे थे। आगे करीब 100 से ज्यादा लोग और भी थे। मैं अभी भी कांप रहा हूं। मेरे साथ आए लोगों का अभी तक कुछ पता नहीं चला।'

एक और महिला ने बताया, 'हम माता रानी के दरबार में जा रहे थे। हमें कुछ समझ नहीं आया। मैं और मेरे पति तो बच गए पर मेरे तीनों बच्चे दब गए। सब कुछ तुरंत हो गया।'

जम्मू में तबाही की बारिश: कोई सिर पर गठरी तो कोई कंधे पर बच्चों को उठाकर भागा

जम्मू में तवी नदी में बाढ़ से राजीव कॉलोनी और जम्मू विश्वविद्यालय पर सबसे ज्यादा असर दिखा है। यहां जलभराव से कई परिवार घर छोड़कर सुरक्षित जगह चले गए हैं। तवी में बाढ़ आने के बाद प्रशासन ने जम्मू विश्वविद्यालय के हॉस्टल को खाली करवा दिया है। राजीव कॉलोनी में ज्यादातर घरों के निचले तल जलमग्न हो गए हैं और इनमें रखा सामान भी बर्बाद हो गया। प्रशासन ने तवी नदी में बाढ़ आने का अलर्ट जारी किया था। तवी का जलस्तर मंगलवार को बढ़ना शुरू हुआ और दोपहर 12 बजे के बाद तक नदी के रौद्र रूप ने राजीव कॉलोनी में पानी आना शुरू हो गया। पानी कॉलोनी में घुसता देख लोगों में अफरातफरी मच गई। आननफानन में अपना सामान समेट भरी बारिश के बीच बाहर निकलना शुरू हो गए। कोई सिर पर गठरी उठाकर तो कोई कंधे पर बच्चों को उठाकर जान बचाने के लिए भागता नजर आया। जब लोग घरों से बाहर निकल रहे थे तब बारिश की वजह से सड़क पर जलभराव भी था।

जम्मू भारी बारिश से हालात खराब, 3500 लोगों का रेस्क्यू

पंजाब के मोहाली की रहने वाली किरण ने बताया, 'मैं दर्शन करके पहाड़ से नीचे आ रही थी, तभी अचानक लोग चिल्लाने लगे। मैंने पत्थर गिरते हुए देखे। मैं किसी तरह सुरक्षित जगह की ओर भागी, लेकिन घायल हो गई।' किरण के साथी एक और महिला ने बताया, 'हम पांच लोग एक ग्रुप में थे, जिनमें से 3 घायल हैं।'

जम्मू भारी बारिश से हालात खराब, 3500 लोगों का रेस्क्यू जम्मू में मंगलवार को 11:30 से 5:30 बजे तक 6 घंटे में 22 सेमी बारिश हुई, जो अब तक की सबसे ज्यादा थी।

आधी रात के बाद बारिश हुई। झेलम नदी का जलस्तर 22 फीट पार करने पर दक्षिण कश्मीर में बाढ़ अलर्ट जारी किया गया है। जम्मू शहर, आरएस पुरा, सांबा, अखनूर, नगरोटा, कठुआ, उधमपुर समेत कई इलाके बुरी तरह प्रभावित हैं। रियासी, रामबन, डोडा, कटरा, बनिहाल और आसपास हल्की बारिश जारी है।

राहत बचाव में जुटी एजेंसियों ने अभी तक सिर्फ जम्मू जिले में 3500 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। पूरे जिले में बचाव शिविर और रिलीफ कैंप बनाए गए हैं। ज्यादातर बचाए गए लोगों को जम्मू के यूथ हॉस्टल में रखा गया है। सेना पूरे इलाके को तीन हिस्सों में बांट कर लोगों को बचा रही है। एक टीम आर्धकुमारी, एक टीम कटरा-ठक्कड़ कोट रोड और एक टीम जौरियन में काम कर रही है।

'पीएम मोदी फोन पर डील नहीं करते'

नई दिल्ली

जर्मन अखबार फ्रैंकफर्टर अल्गेमाइन की रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका-भारत के रिश्तों में हलचल बढ़ा दी है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के हफ्तों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चार फोन का जवाब नहीं दिया। यह ऐसे समय सामने आया है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार विवाद गहराता जा रहा है। जापानी मीडिया निक्केई एशिया ने भी यही दावा किया है कि ट्रंप लगातार फोन कॉल्स का जवाब न मिलने से बेहद नाराज थे। रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक ने स्पष्ट किया कि मोदी फोन पर संवेदनशील मुद्दों पर बातचीत नहीं करते। अधिकारी ने कहा कि यह प्रधानमंत्री की कार्यशैली नहीं है कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर के जटिल मामलों पर फोन पर समझौता करें।

सूत्रों ने यह भी जोड़ा कि मोदी ने ट्रंप की कॉल्स का जवाब न देकर इस आशंका से बचने की कोशिश की कि कहीं ट्रंप बातचीत को गलत ढंग से पेश न कर दें। इससे पहले भी भारत ने ट्रंप पर आरोप लगाया था कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान हुई चर्चाओं को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया। अमेरिकी अधिकारियों ने यह पुष्टि करने से इनकार किया है कि वास्तव में कॉल किए गए थे या नहीं। हालांकि ट्रंप ने बीते चार महीनों में बार-बार यह दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध को रोका।

थिएटर कमांड की शुरूआत में जल्दबाजी न करने की चेतावनी: एयर चीफ मार्शल

नई दिल्ली

एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने को थिएटर कमांड की शुरूआत में जल्दबाजी न करने की चेतावनी देते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारत को दूसरों की नकल करने के बजाय अपना मॉडल अपनाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने भविष्य के युद्धों की तैयारी के लिए चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अधीन दिल्ली में एक संयुक्त योजना और समन्वय केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया।

'यह बहुत अच्छा विचार नहीं है'

आर्मी वॉर कॉलेज में बोलते हुए, वायुसेना प्रमुख ने नए थिएटर कमांड बनाने में जल्दबाजी करने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि इस समय सब कुछ अस्त-व्यस्त करके एक नया ढांचा बनाना बहुत अच्छा विचार नहीं है। इसके बजाय, उन्होंने दिल्ली में एक संयुक्त योजना और समन्वय केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अधीन रखा जाए और जो संयुक्त रूप से निर्देश जारी करे। उन्होंने कहा, "मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि दिल्ली में एक संयुक्त योजना और समन्वय केंद्र होना जरूरी है।"

प्रस्तावित थिएटर कमांड पर पूछे गए सवालों के जवाब में, सिंह ने कहा, "हां, हम पहले इसी से शुरूआत कर सकते हैं, इसे लागू कर सकते हैं और देख सकते हैं कि यह कैसे आगे बढ़ता है। अगर हमें किसी और ढांचे की जरूरत है तो हम इस पर विचार कर सकते हैं।

लेकिन इस समय सब कुछ अस्त-व्यस्त करके एक ढांचा बनाना, मुझे नहीं लगता कि यह बहुत अच्छा विचार है।" एयर चीफ मार्शल की यह टिप्पणी ऑपरेशन सिंदूर के साढ़े तीन महीने बाद आई है, जिसमें थलसेना, नौसेना और वायुसेना के बीच मजबूत समन्वय का प्रदर्शन हुआ था।

भारत पर ट्रंप का अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लागू

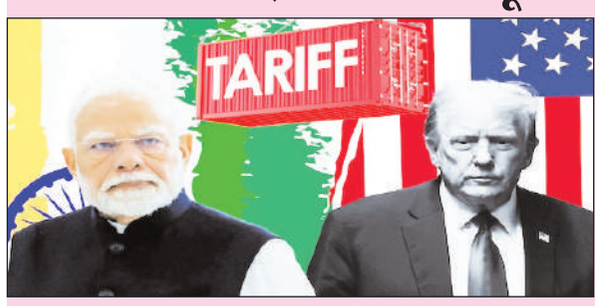

5.4 लाख करोड़ रुपये के निर्यात पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रूसी तेल की खरीद के लिए भारत पर लगाया गया अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ बुधवार से प्रभावी हो गया। इस तरह भारत पर अमेरिका की ओर से लगाया गया कुल शुल्क अब 50 फीसदी हो गया है।

इससे 48.2 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा। अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने सोमवार को जारी मसौदा आदेश में कहा कि बढ़े हुए शुल्क उन भारतीय उत्पादों पर लागू होंगे जो "27 अगस्त, 2025 को पूर्वी डेलाइट समयानुसार रात 12:01 बजे या उसके बाद उपभोग के लिए प्रवेश किए गए हैं या उपभोग के लिए गोदाम से निकाले गए हैं।"

भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों पर 27 अगस्त से 50 फीसदी टैरिफ लागू हो गया है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक यह नया टैरिफ भारत के लगभग 5.4 लाख करोड़ रुपये के निर्यात को प्रभावित कर सकता है। ट्रंप ने 07 अगस्त को ही रूसी कच्चे तेल की भारत द्वारा की जाने वाली खरीद के लिए भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 फीसदी करने की घोषणा की थी, लेकिन समझौते पर बातचीत के लिए 21 दिन का समय दिया था। भारत के समान पर 50 फीसदी टैरिफ से अमेरिका में बिकने वाले कपड़े, जेम्स-ज्वैलरी, फर्नीचर, सी फूड जैसे भारतीय प्रोडक्ट्स महंगे हो जाएंगे।

इससे इनकी मांग में 70 फीसदी की कमी आ सकती है।

पीएम स्वनिधि योजना की ऋण अवधि के पुनर्गठन और विस्तार को मंजूरी

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ह्यप्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना की ऋण अवधि के पुनर्गठन और विस्तार को मंजूरी दी है। ऋण अवधि अब पिछले वर्ष 31 दिसंबर से बढ़ाकर 31 मार्च 2030 कर दी गई है।

ँप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस योजना को आज मंजूरी दी। इस योजना का कुल परिव्यय 7,332 करोड़ रुपये है। पुनर्गठित योजना का लक्ष्य 50 लाख नए लाभार्थियों सहित 1.15 करोड़ लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाना है। एक सरकारी बयान के अनुसार पुनर्गठित योजना की प्रमुख विशेषताओं में पहली और दूसरी किस्त में बढ़ी हुई ऋण राशि, दूसरा ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों के लिए यूपीआई-लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड का प्रावधान और खुदरा एवं थोक लेनदेन के लिए डिजिटल कैशबैक प्रोत्साहन शामिल हैं। इस योजना का दायरा वैधानिक शहरों से आगे बढ़कर जनगणना शहरों, अर्ध-शहरी क्षेत्रों आदि तक चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जा रहा है। उन्नत ऋण संरचना में पहली किस्त के ऋण को बढ़ाकर 15 हजार रुपये (10 हजार रुपये से) और दूसरी किस्त के ऋण को बढ़ाकर 25 हजार रुपये (20 हजार रुपये से) कर दिया गया है, जबकि तीसरी किस्त 50 हजार रुपये पर अपरिवर्तित रहेगी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कनॉट प्लेस स्थित मंदिर में की भगवान गणेश की पूजा-अर्चना।

सीएम योगी ने नवचयनित 2425 मुख्य सेविकाओं, 13 फार्मासिस्टों को वितरित किया

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को यहां लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बाल विकास एंव पुष्टाहार विभाग में नवचयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं और 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र बांटे। इसी प्रकार प्रदेश के सभी जिलों में कार्यक्रम आयोजित कर नियुक्त पत्र वितरित किए गए हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवा जब छला जाता है तो यह राष्ट्रीय क्षति होती है। 2017 के पहले यही होता था। बेईमानी भ्रष्टाचार की वजह से युवाओं को भर्ती नहीं मिलती थी। न्यायालय तक जाता था। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को बीमारू प्रकृति ने नहीं, राजनीतिक दलों ने बनाया था। यहां के मानसिक रूप से बीमार राजनीतिक दलों ने युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया था। योगी ने कहा कि आज अगर लखीमपुर के जंगल के बीच कोई थारू जनजाति की बेटी का चयन होता है, तो मानिए चयन प्रक्रिया निष्पक्ष हो रही है। आज यहां 2-2 थारू बेटियों का चयन हुआ। उत्तर प्रदेश बीमार नहीं था। इसको बीमार किया गया था। यह प्रदेश 1947 के बाद से 1960 दशक तक देश का अग्रणी राज्य था। 1960 के बाद से यहां गिरावट आई। 1990 तक यहां स्तर गिर गया। 2017 तक यहां की स्थिति बदतर हो गई।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों ने प्रदेश को लूट का अड्डा बना दिया था। कोई कार्य छोटा बड़ा नहीं होता। जहां अवसर मिले वहां काम करना चाहिए। हमने सोचा प्रदेश के जर्जर स्कूल भवनों को शिफ्ट करना चाहिए, क्योंकि एक राज्य में ऐसी घटना हो चुकी थी लेकिन बीमार मानसिकता के दलों ने इसको कठघरे में खड़ा किया। इसी तरह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्कूलों को बेहतर पेयरिंग का हिस्सा बनाया तो इसको भी लेकर राजनीतिक दलों ने आमजन में भ्रम फैलाया। हमने बच्चों को बेहतर शिक्षा, बेहतर पोषण के लिए कार्य किया।

गोवा में फिडे विश्व कप 2025, पीएम मोदी बोले- भारत को मेजबानी पर बेहद खुशी है

एजेंसी

नई दिल्ली। गोवा 30 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच फिडे विश्व कप की मेजबानी करेगा। शतरंज की वैश्विक नियामक संस्था ने इसकी घोषणा की। पीएम नरेंद्र मोदी ने खुशी जाहिर करते हुए उम्मीद जताई है कि इस टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

पीएम मोदी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'भारत को प्रतिष्ठित फिडे वर्ल्ड कप 2025 की मेजबानी करने पर बेहद खुशी है, और वह भी दो दशकों से ज्यादा समय के बाद। शतरंज हमारे युवाओं के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहा है। मुझे यकीन है कि इस टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे और दुनियाभर के शीर्ष खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।'

शुरुआत में नई दिल्ली को मेजबान स्थल माना जा रहा था, लेकिन लॉजिस्टिक संबंधी चिंताओं के कारण फैसला बदला गया और आखिरकार फिडे ने गोवा को आयोजन स्थल के रूप में चुना।

कुल 206 प्रतिभागी गोवा में आठ राउंड के नॉकआउट मुकाबलों में भिड़ते हुए दो मिलियन अमेरिकी डॉलर की प्राइज मनी जीतने की कोशिश करेंगे। यह टूर्नामेंट विन-ऑर-गो-होम फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसने लंबे समय से वर्ल्ड कप को खेल जगत का सबसे रोमांचक आयोजन बना दिया है। शीर्ष 50 वरीय खिलाड़ियों को पहले दौर से छूट मिलेगी, जबकि शेष खिलाड़ी अपने अभियान की शुरुआत राउंड 1 से करेंगे। प्रत्येक मुकाबला दो क्लासिकल गेम्स पर आधारित होगा। अगर नतीजा नहीं निकलता, तो टाई-ब्रेकर के लिए रैपिड और ब्लिट्ज मुकाबले खेले जाएंगे। पुरस्कार राशि और खिताबों के अलावा, विश्व कप में बहुत कुछ दांव पर लगा है। शीर्ष तीन खिलाड़ी 2026 के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगे, जो विश्व चैंपियनशिप के ताज के लिए दावेदार का निर्धारण करता है। भारत ने इस टूर्नामेंट का दूसरा संस्करण साल 2002 में हैदराबाद में आयोजित किया था। विश्वनाथन आनंद ने वर्ष 2000 और 2002 में विश्व कप के शुरुआती दो संस्करण जीते थे। वहीं, 2023 में बाकू (अजरबैजान) में खेले गए विश्व कप में भारत के आर. प्रज्ञानानंद दूसरे स्थान पर रहे, जबकि नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन चैंपियन बने थे। हालांकि, इस बार प्रतिष्ठित आयोजन में पांच बार के चैंपियन मैग्नस कार्लसन के हिस्सा लेने की संभावना कम है।

कासगंज चंदन गुप्ता हत्याकांड के दोषी सलीम की इलाज के दौरान मौत

एजेंसी

लखनऊ । कासगंज के चर्चित चंदन गुप्ता हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रहे दोषी सलीम की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। लखनऊ जिला कारागार के जेलर ने सलीम की मौत की पुष्टि की है। सलीम को इलाज के लिए लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में भर्ती कराया गया था, जहां पुलिस सुरक्षा में उसका इलाज चल रहा था। बुधवार को उसकी हालत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। सलीम, 2018 में कासगंज में तिरंगा यात्रा के दौरान हुई हिंसा में मारे गए चंदन गुप्ता की हत्या का शामिल था। एनआईए स्पेशल कोर्ट, लखनऊ ने सलीम को अन्य 27 दोषियों के साथ इस मामले में दोषी पाया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। कोर्ट का फैसला आने के बाद सलीम ने अन्य दोषियों के साथ आत्मसमर्पण किया था, जिसके बाद से वह जेल में बंद था।

सीबीआई ने जम्मू-कश्मीर में एक अफसर को घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य विभाग के सहायक आयुक्त (खाद्य सुरक्षा) के पद पर तैनात अधिकारी संजीव बाली को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। सीबीआई के अनुसार शिकायत मिली थी कि संजीव बाली एक दुकानदार से 10 हजार रुपये रिश्वत मांग रहे थे। उन्होंने कहा था कि अगर पैसे दिए जाते हैं, तो वे दुकान से कोई नमूना नहीं लेंगे और एक साल तक निरीक्षण भी नहीं करेंगे। इससे दुकानदार को कोई परेशानी नहीं होगी और वह आसानी से अपना काम कर सकेगा। सीबीआई ने 25 अगस्त को इस शिकायत पर कार्रवाई की और एक जाल बिछाया। जैसे ही संजीव बाली ने दुकानदार से 10 हजार रुपये लिए, उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद सीबीआई ने उनके घर और अन्य ठिकानों की तलाशी ली। वहां से 1.5 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज और कई जरूरी कागजात मिले हैं। अभी इन सभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है। सीबीआई अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

आयुर्वेद प्रकृति के साथ सामंजस्य में निहित एक जीवन विज्ञान है : प्रतापराव जाधव

नई दिल्ली। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने कहा कि आयुर्वेद केवल एक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति और पर्यावरण के बीच सामंजस्य के सिद्धांत पर आधारित जीवन का विज्ञान है। उन्होंने सोशल मीडिया पर संदेश साझा करते हुए कहा कि इस साल से हर साल 23 सितंबर को आयुर्वेद दिवस मनाया जाएगा। सरकार ने इस संबंध में मार्च 2025 को अधिसूचना जारी की है। वर्ष 2016 में अपनी स्थापना के बाद पहली बार, आयुर्वेद दिवस हर वर्ष एक निश्चित तिथि अर्थात 23 सितंबर को मनाया जाएगा। इससे पहले, आयुर्वेद दिवस धन्वंतरि जयंती (धनतेरस) को मनाया जाता था। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के उत्सव का विषय- 'लोगों और ग्रह के लिए आयुर्वेद' होगा। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने इस संबंध में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि 2016 में अपनी स्थापना के बाद से, आयुर्वेद दिवस भारत के पारंपरिक ज्ञान का उत्सव मनाने वाले एक वैश्विक आंदोलन के रूप में उभरा है। प्रथम अखिल भारतीय एनएसएसओ सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करता है कि आयुर्वेद ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली उपचार प्रणाली है। 2025 का विषय समग्र स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी संतुलन को आगे बढ़ाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। उल्लेखनीय है कि 2024 में आयुर्वेद दिवस पर लगभग 150 देशों में गतिविधियों का आयोजन किया गया और यह आयुर्वेद की बढ़ती वैश्विक पहुंच की पुष्टि करती हैं।

प्रकृति का रौद्र रूप....

▶▶ वैष्णो देवी रूट पर भूस्खलन से तबाही, 32 मौत, भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी धाम की तरफ जाने वाले रास्ते पर भारी बारिश से भूस्खलन हो गया। हादसे में 32 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है, जबकि करीब 20 लोगों के घायल होने की खबर है। अर्द्धकुंवारी के पास बुए भूस्खलन ने यात्रा मार्ग को प्रभावित कर दिया है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

भूस्खलन वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर स्थित अर्द्धकुंवारी गुफा मंदिर में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ। त्रिकुटा पहाड़ी पर स्थित मंदिर मार्ग का बड़ा हिस्सा मलबे में ढेर हो गया है। आशंका है कि मलबे में और भी लोग दबे हो सकते हैं। सेना और प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हैं। जम्मू-कश्मीर में हो रही लगातार बारिश से बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति पैदा हो गई है। जम्मू में ओवरब्रिज ढह गए हैं, बिजली लाइन और मोबाइल टावरों को नुकसान हुआ है। तीन पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। श्री माता वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन के बाद यात्रा को रोक दिया गया है।

पंजाब में छत से हेलिकॉप्टर उड़ा, बिल्डिंग पानी में समाई: सेना ने 25 लोगों को बचाया

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में लगातार बारिश से 7 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। बुधवार को सेना ने राज्य के पठानकोट के माधोपुर हेडवर्क्स में बाढ़ के पानी से घिरी एक जर्जर बिल्डिंग से 22 CRPF जवानों और 3 नागरिकों का हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के लिए सेना का हेलिकॉप्टर जर्जर बिल्डिंग की छत पर उतरा था। छत से हेलिकॉप्टर के उड़ान भरने के बाद ही बिल्डिंग का अगला हिस्सा धराशायी होकर पानी में समा गया। इसके बाद भी सेना ने ऑपरेशन नहीं रोका और जर्जर बिल्डिंग की छत पर फंसे

सभी लोगों को बचा लिया। भारतीय सेना ने रेस्क्यू ऑपरेशन का वीडियो ङ्क पर शेयर किया है। पंजाब में भारी बारिश के कारण 30 अगस्त तक सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। वहीं, रेलवे ने आज जम्मू और कटरा रेलवे स्टेशनों पर रुकने वाली या वहां से चलने वाली 22 ट्रेनें कैंसिल कर दी हैं। इससे पहले 27 ट्रेनों की यात्रा बीच सफर में ही रोक दी गई थी।

महाराष्ट्र के विरार में बड़ा हादसा - रमाबाई अपार्टमेंट का एक हिस्सा ढहने से 2 की मौत

विरार। महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार पूर्व इलाके में स्थित रमाबाई अपार्टमेंट का बुधवार सुबह एक हिस्सा ढह गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में अब तक दो लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 11 से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में एक साल का बच्चा भी शामिल है।

जानकारी के मुताबिक, इमारत का एक हिस्सा बगल की चॉल पर गिर गया, जिसके चलते चॉल में रह रहे कई लोग मलबे में दब गए। इससे पास की एक और इमारत को भी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। वसई विरार शहर महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त दीपक सावंत ने आईएएनएस को बताया कि इमारत का आधा हिस्सा ढह गया था। इसमें लगभग 12 फ्लैट थे। रात से रेस्क्यू टीम काम कर रही है।

घटना की सूचना मिलते ही वसई-विरार महानगरपालिका की टीमें, दमकल विभाग, एनडीआरएफ और स्थानीय पुलिस प्रशासन भी मौके पर पहुंचे। युद्धस्तर पर बचाव कार्य शुरू किया गया। एनडीआरएफ अधिकारियों ने बताया कि अब तक 11 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिनमें से 6 लोग घायल हैं और उन्हें विरार व नालासोपारा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।वसई-विरार शहर महानगरपालिका के सहायक आयुक्त गिल्सन घोन्साल्वीस ने बताया कि घटना सुबह करीब 4:35 बजे हुई। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, फायर ब्रिगेड, और आपदा प्रबंधन दल ने तुरंत युद्धस्तर पर बचाव अभियान शुरू किया। अब तक 11 लोगों को मलबे से सुरक्षित निकालकर विरार और नालासोपारा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घोन्साल्वीस ने कहा, मलबे में कितने लोग फंसे हैं, यह अभी स्पष्ट नहीं है।स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल को सील कर दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इमारत की पुरानी स्थिति और संरचनात्मक कमजोरी इस हादसे का कारण हो सकती है।

वोट के बिना गरीबों को कोई अधिकार नहीं: राहुल गांधी

एजेंसी

मधुबनी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी वोटर अधिकार यात्रा के क्रम में मधुबनी पहुंचे। यहां इन्होंने सामाजिक संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वोट के बिना गरीबों को कोई अधिकार नहीं मिल सकता।

उन्होंने कहा कि आजादी से पहले जब आपके पास वोट नहीं था, कोई अधिकार नहीं था। आजादी के बाद संविधान के कारण वोट का अधिकार मिला। जिस दिन वोट खत्म कर दिया गया, उस दिन संविधान का कोई मतलब नहीं रहता है। उन्होंने संविधान दिखाते हुए कहा, इसमें जो शक्ति है, ये किताब नहीं है, ये हिंदुस्तान की शक्ति है, हिंदुस्तान की आत्मा की शक्ति है। वो शक्ति इसमें कहां से आती है? वोट से आती है। वोट निकाल दिया तो जो भी इसमें लिखा है, उसका कोई मतलब नहीं, क्योंकि शक्ति नहीं है उसमें, पावर ही नहीं है, दम ही नहीं है। दम वोट से आता है।उन्होंने आगे कहा, भाजपा वाले कहते थे कि उनकी सरकार 40 से 50 साल चलेगी। उस टाइम हम सोचते थे कि यह कैसे कह सकते हैं कि 40-50 साल सरकार चलेगी। अब सच्चाई पूरे देश के सामने आ गई है। वह यह बात इसलिए कह सकते हैं क्योंकि वे वोट चोरी करते हैं और यह चोरी इन्होंने अभी नहीं चालू की। यह चोरी गुजरात में पहले शुरू हुई, उसके बाद 2014 में नेशनल लेवल पर आई, उसके बाद चुन-चुनकर, चुन-चुनकर ये लोग राज्य जितवाते हैं।कांग्रेस नेता ने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि एक बार आपका वोट चला गया, उसके बाद राशन कार्ड, आवास और उसके बाद जमीन जाएगी। उन्होंने जाति जनगणना की चर्चा करते हुए कहा कि जाति जनगणना तो फाउंडेशन है। जाति जनगणना के बाद दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा। तेलंगाना में इसका मॉडल है।उन्होंने लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि आरक्षण की 50 प्रतिशत की जो दीवार है, उसको हम तोड़ देंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि जो भी राजनीतिक बदलाव आता है, क्रांति आती है, बिहार से आती है। गांधी जी चंपारण आए थे। इस यात्रा ने हमें दिखाया है कि सच में बिहार से क्रांति आती है।

पीएम मोदी समेत नेताओं ने देशवासियों को दी गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को देशवासियों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, देश-विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं! यह महापर्व बुद्धि और विवेक के देवता भगवान श्री गणेश के जन्मोत्सव के रूप में हर्षोल्लास से मनाया जाता है। विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश से मैं प्रार्थना करती हूं कि वे व्यक्ति-निर्माण तथा राष्ट्र-निर्माण के मार्ग की सभी बाधाओं को दूर करते रहें तथा उनके आशीर्वाद से सभी देशवासी, पर्यावरण-अनुकूल जीवन शैली अपनाते हुए, सशक्त भारत के निर्माण में निष्ठा के साथ कार्यरत रहें। गणपति बाप्पा मोरया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, आप सभी को गणेश चतुर्थी की ढेरों शुभकामनाएं। श्रद्धा और भक्ति से भरा यह पावन अवसर हर किसी के लिए शुभकारी हो। भगवान गजानन से प्रार्थना है कि वे अपने सभी भक्तों को सुख, शांति और उत्तम स्वास्थ्य का आशीर्वाद दें। गणपति बाप्पा मोरया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ÷गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। विघ्नहर्ता श्री गणेश जी हम सभी के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि का संचार करें। उनकी कृपा से भारत निरंतर एकता, सद्भाव और विकास के पथ पर अग्रसर हो। गणपति बाप्पा मोरया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पोस्ट में कहा, ÷विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की आराधना के पावन पर्व श्री गणेश चतुर्थी की सभी श्रद्धालुओं व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! भगवान सिद्धिविनायक सभी को सुख-समृद्धि और आरोग्यता का आशीर्वाद प्रदान करें, यही प्रार्थना है। गणपति बप्पा मोरया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने एक्स पोस्ट में लिखा, श्री गणेश चतुर्थी पर देशवासियों को हार्दिक मंगलकामनाएं। समस्त सिद्धियों के प्रदाता, प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी के आशीर्वाद से प्रत्येक जीवन में शुभ-लाभ का संचार हो, हमारा राष्ट्र निरंतर उन्नति के मार्ग पर गतिमान रहे।

साइबर अपराधियों ने वायु सेना से सेवानिवृत्त कर्मी को परिवार समेत डिजिटल अरेस्ट कर ठगे 3.21 करोड़

एजेंसी

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जनपद में साइबर अपराधियों ने वायुसेना से सेवानिवृत्त कर्मी, उनकी पत्नी और पुत्री को 36 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखकर 3.21 करोड़ से अधिक रुपये की ठगी कर लिया। जालसाजों ने पीड़ित परिवार को मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित बताते हुए मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारी बनकर उन्हें गिरफ्तारी का भय दिखाकर ठगी कर ली। पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम प्रीति यादव ने बताया कि सेक्टर-25 स्थित जलवायु विहार में रहने वाली मलोबिका मित्रा ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके पिता सुबीर मित्रा वायुसेना से सेवानिवृत्त हैं। वह पिता और मां केया मित्रा के साथ रहती हैं। 18 जुलाई को पिता के मोबाइल पर अज्ञात नंबर से कॉल आई थी। उसने खुद को ट्राई का कर्मचारी बताते हुए कहा कि उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल करके सिम से लोगों को अवैध विज्ञापन, अश्लील फोटो, परेशान करने वाले मैसेज भेजने के लिए किया जा रहा है। इसके संबंध में केस दर्ज है, जिसकी जांच मुंबई क्राइम ब्रांच कर रही है। इसी दौरान मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बने जालसाजों ने बताया कि पीड़ित सुबीर मित्रा के नाम पर बैंक खाता खोला गया है, जिसका इस्तेमाल जेट एयरबेज के संस्थापक नरेश गोयल मनी लांड्रिंग मामले में हुआ है। उनके खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट है, उन्हें मुंबई आने के लिए कहा। जांच के नाम पर जालसाजों ने पीड़ित और उनके परिवार को डिजिटल अरेस्ट कर लिया। वीडियो कॉल के जरिये 24 घंटे तीनों की निगरानी की। 22 अगस्त तक कुल छह बार में तीन करोड़ 21 लाख 58 हजार रुपये विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए। जालसाजों ने लगातार रुपयों की मांग की जाने पर मलोबिका मित्रा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की ठानी। साइबर सेल की डीसीपी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

हत्याकांड में नया मोड़ : निक्की के भाई की पत्नी मीनाक्षी भाटी का बड़ा खुलासा

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा । निक्की हत्याकांड मामले में अब मृतका के भाई रोहित की पत्नी और निक्की की भाभी मीनाक्षी भाटी का बयान सामने आया है, जिसने कई अहम खुलासे किए हैं। मीनाक्षी, जो निक्की के भाई रोहित की पत्नी हैं, ने निक्की के परिवार पर दहेज, पारिवारिक कलह और पंचायतों से जुड़े कई गंभीर आरोप लगाए। मीनाक्षी ने कहा कि घटना के वक्त आरोपी विपिन घर के नीचे था और वीडियो में वह दिखाई भी नहीं दे रहा है। वीडियो में निक्की की बहन कंचन उसे बचाने की कोशिश करती नजर आई।

मीनाक्षी के अनुसार, 'वीडियो देखकर ऐसा लगता है कि निक्की ने खुद आग लगाई, विपिन का इसमें हाथ नहीं था।' उन्होंने बताया कि विपिन ने निक्की के नाम का टैटू भी बनवा रखा था, जिससे पता चलता है कि वह उसे बहुत चाहता था। मीनाक्षी ने हालांकि अपने निजी अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें खुद दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। उन्होंने कहा, 'मुझे दहेज के लिए छोड़ा गया, कई बार 5-5 लाख रुपए लिए गए, यहां तक कि स्कॉर्पियो गाड़ी की मांग भी की गई।' उनके मुताबिक, पंचायत में 35 लाख रुपये वापसी का फैसला हुआ था और विपिन के पिता सतवीर ने भी इसे मान लिया था। शादी के बाद से ही उनके साथ मारपीट होती रही और कभी ससुराल में उन्हें फोन इस्तेमाल तक नहीं करने दिया गया। मीनाक्षी के मुताबिक उसके ससुराल वाले कहते थे फोन परिवार का नाश कर देता है। निक्की की भाभी मीनाक्षी ने यह भी आरोप लगाया कि उनके पति रोहित महीनों घर नहीं आते थे और उनका किसी अन्य महिला से संबंध हो सकता है। मीनाक्षी की मां ने भी आरोप लगाए कि शादी के एक महीने बाद से ही मारपीट शुरू हो गई थी। दहेज में कार, 21 तोले सोना और घर का सामान देने के बावजूद उनका शोषण जारी रहा। मीनाक्षी ने साफ कहा कि 'विपिन, उसके माता-पिता और परिवार के लोग सही हैं, लेकिन रूपबास परिवार पूरी तरह गलत है।'

उन्होंने यह भी बताया कि निक्की और कंचन अपनी ससुराल में खुशहाल जीवन जी रही थीं और उनके रहन-सहन से कभी नहीं लगा कि वे परेशान थीं। इस पूरे बयान ने निक्की हत्याकांड में एक नया मोड़ ला दिया है, जहां एक ओर निक्की की मौत को दहेज हत्या बताया जा रहा है, वहीं परिवार के भीतर से उठी आवाज ने जांच को और जटिल बना दिया है।

एटीएम कार्ड बदलकर 90 हजार उड़ाने वाला ठग गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के हरि नगर थाना पुलिस ने एक ठग को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपित लोगों के एटीएम कार्ड बदलकर उनके खातों से रकम उड़ा देता था। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सुल्तानपुरी निवासी कृष्ण उर्फ ऋषि (24) के रूप में हुई है। आरोपित के पास से 90 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस उसके साथी की तलाश कर रही है। पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त दराडे शरद भास्कर के अनुसार शिकायतकर्ता ने बताया कि 01 अगस्त को वह हरि नगर डीबी ब्लॉक स्थित एक एटीएम से पैसा निकाल रहा था। इस दौरान दो युवक पीछे से आए और मदद का बहाना करने लगे। ट्रांजैक्शन असफल रहा और अगले दिन शिकायतकर्ता के खाते से 90 हजार रुपये की निकासी हो गई। जांच में पता चला कि आरोपितों ने उसका एटीएम कार्ड मिलते-जुलते कार्ड से बदल दिया था। मामले की शिकायत पर ई-एफआईआर दर्ज की गई। हरि नगर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरु की। पुलिस ने तकनीकी निगरानी के आधार पर आरोपितों की पहचान कृष्ण उर्फ ऋषि और उसके रिश्तेदार अमरनाथ के रूप की। इस बीच पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधर पर कृष्ण को दबोच लिया और उसके कब्जे से रुपये बरामद किए। फिलहाल पुलिस आरोपित के साथी की तलाश कर रही है।

चोरी के मामले में दो सगे भाई गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के सदर बाजार थाना पुलिस ने चोरी के मामले में दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आठ हजार रुपये और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अनस कुरैशी (25) और अदनान कुरैशी (22) के रूप में हुई है। दोनों भाई उसी इमारत की पांचवीं मंजिल पर रहते थे, जिसमें पीड़ित परिवार तीसरी मंजिल पर रहता है। उत्तरी जिले के डीसीपी राजा बंथिया ने बताया कि शिकायतकर्ता मोहम्मद इमरान ने 24 अगस्त को पुलिस को सूचना दी थी कि उनकी तीसरी मंजिल पर स्थित फ्लैट से रात में दो मोबाइल फोन और रुपये चोरी हुए है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने जांच में पाया कि इमारत का ग्राउंड फ्लोर रात में बंद रहता है, ऐसे में किसी बाहरी शख्स का तीसरी मंजिल तक पहुंच पाना मुश्किल था। पुलिस ने शक की सुई उसी बिल्डिंग के निवासियों की ओर घुमाई। स्थानीय जानकारी और गुप्त सूत्रों से पता चला कि पांचवीं मंजिल पर रहने वाले दोनों भाई पहले भी छोटे-मोटे अपराधों में शामिल रहे हैं। पुलिस ने शक के आधार पर दोनों भाई के कमरे की तलाशी ली। तलाशी में उनके पास से चोरी का माल बरामद हो गया। गिरफ्तारी के बाद दोनों भाइयों ने कबूल किया कि वे अनाथ हैं और स्कूल छोड़ चुके हैं। नशे और शराब की लत पूरी करने के लिए वे चोरी-चकारी करते थे। वारदात वाली रात उन्होंने देखा कि तीसरी मंजिल के फ्लैट का दरवाजा खुला है और मौका पाकर उन्होंने नकदी व मोबाइल चोरी कर लिया।

भगोड़ा आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कोर्ट द्वारा भगोड़ा घोषित किए गए आरोपित हरीश (32) को गिरफ्तार किया है।आरोपित सुल्तानपुरी का रहने वाला है। वह कई मामलों में फरार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक आरोपित हरीश पर 2019 में मंगोलपुरी थाना क्षेत्र में बैग और मोबाइल फोन स्नैचिंग के मामले में एफआईआर दर्ज हुई थी। कोर्ट से जमानत मिलने के बाद वह लगातार पेशी से गायब रहा और 12 नवंबर 2024 को रोहिणी कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित किया। इसके अलावा वह अशोक विहार और सुल्तानपुरी थानों के मामलों में भी वांछित था। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार 25 अगस्त को क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली कि आरोपित हरीश रोहिणी कोर्ट सेक्टर-14 के पास किसी से मिलने के लिए आने वाला है। पुलिस ने सूचना को पुख्ता कर जाल बिछाया और मौके से हरीश को दबोच लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि हरीश अब तक 10 संगीन वारदात में शामिल रहा है, जिनमें लूट, झपटमारी और आर्म्स एक्ट के मामले हैं। आरोपित के खिलाफ मंगोलपुरी, अशोक विहार, सुल्तानपुरी, अमन विहार, राज पार्क और पश्चिम विहार ईस्ट सहित कई थानों में मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक हरीश गरीब परिवार से ताल्लुक रखता है और केवल छठी कक्षा तक पढ़ा है। बाद में वह नशे का आदी हो गया और मजदूरी के साथ-साथ झपटमारी व लूट जैसी वारदातों को अंजाम देने लगा।

लोक सभा अध्यक्ष एससी-एसटी कल्याण संबंधी समितियों के सभापतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समितियों के सभापतियों का राष्ट्रीय सम्मेलन भुवनेश्वर में 29 अगस्त को आयोजित होगा। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला इसका उद्घाटन करेंगे। दो दिवसीय इस सम्मेलन में 120 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे और विषय होगा– अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण, विकास और सशक्तीकरण में संसदीय और विधायी समितियों की भूमिका। लोक सभा सचिवालय के अनुसार उद्घाटन सत्र में ओम बिरला प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे और स्मारिका का विमोचन करेंगे। इस अवसर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश और संसदीय समिति के सभापति फग्गन सिंह कुलस्ते सभा को संबोधित करेंगे। ओडिशा विधान सभा की अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी स्वागत भाषण देंगी और उपाध्यक्ष भवानी शंकर भोई धन्यवाद ज्ञापित करेंगे।

अभाविप ने डूसू चुनाव में एक लाख रूपए की बांड नीति वापस लेने की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय में एक लाख का चुनावी बांड भरवाने के सिलसिले में विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने एक लाख का चुनावी बांड के निर्णय को वापस लेने की मांग की। अभाविप दिल्ली प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि अभाविप विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग करती है कि यथाशीघ्र इस फैसले को वापस लिया जाए अन्यथा विद्यार्थी परिषद का आंदोलन सड़क से लेकर न्यायालय तक और तेज होगा। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां लिंगदोह समिति चुनावी खर्च की सीमा पांच हजार रूपये तय करती है तो उसी के विपरीत एक लाख का चुनावी बांड भरवाना किसी भी रूप में तर्कसंगत नहीं है। शर्मा ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव लोकतंत्र में

सहभागिता के लिए छात्रों को प्रेरित करता रहा है। छात्रसंघ चुनाव लोकतांत्रिक प्रारूप की प्रथम सीढ़ी के रूप में है। उन्होंने कहा कि बांड भरवाने का निर्णय कही न कही आर्थिक रूप से सशक्त एवं समृद्ध छात्रों तक ही चुनाव सीमित कर देगा। सार्थक शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व छात्रसंघ चुनाव में सभी को लड़ने के लिए समान अवसर दिया जाना चाहिए और इस निर्णय को वापस लिया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि अभाविप यह मांग करती है कि छात्रसंघ चुनाव लोकतांत्रिक ढांचे के अनुरूप शांतिपूर्ण तरीके से किए जाए एवं एक लाख का चुनावी बांड के फैसले को वापस लिया जाए क्योंकि यह निर्णय छात्र विरोधी एवं आम छात्रों के छात्रसंघ चुनाव लड़ने के सपने को पूरा नहीं होने देगा।

दिल्ली प्रांत मंत्री ने कहा कि अभाविप शुरू से ही बांड भरवाने के नीति के खिलाफ रही है। आज कला संकाय में प्रदर्शन किया गया। इससे पहले अभाविप के नेतृत्व में कई कॉलेजों में भी इस निर्णय के खिलाफ प्रदर्शन किया गया था। इस विरोध प्रदर्शन में डीयू के रामजस कॉलेज, हिन्दू कॉलेज, किरोड़ीमल कॉलेज, मिरांडा हाउस आदि के छात्रों ने सहभागिता की।

लंबित ट्रैफिक चालान के बहाने 1.58 लाख की ठगी: साइबर ठग हुआ गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिले की साइबर थाना टीम ने लंबित ट्रैफिक चालान के नाम पर 1.58 लाख रुपए की ठगी करने वाले आरोपित अजय कुमार (24) को पंजाब के जालंधर से गिरफ्तार किया है। आरोपित ने पीड़ित आयुष गोयल का मोबाइल हैक कर अपराध को अंजाम दिया, जिसमें एक एपीके फाइल इंस्टॉल कराई गई थी। इस फाइल के जरिए रकम को कई क्रेडिट कार्ड्स में ट्रांसफर किया गया, फिर नकद निकालकर बैंक खातों में जमा कर मनी ट्रेल तोड़ी गई।

डीसीपी भीष्म सिंह के अनुसार पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल क्रेडिट कार्ड भी बरामद किया है। घटना 1 अगस्त को सामने आई, जब पीतमपुरा निवासी आयुष गोयल ने शिकायत दर्ज की थी कि साइबर ठगों ने ट्रैफिक चालान के बहाने उनकी रकम हड़प ली है। शिकायत पर मामला दर्ज करके जांच के लिए एस आई नवीन के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी से आरोपित को ट्रैक कर लिया। उसका लोकेशन पंजाब के जालंधर में मिला। जांच में पता चला कि आरोपित ने अमेजन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रकम ट्रांसफर की थी। आरबीआई दिशा-निर्देशों के कारण शुरुआत में कार्ड विवरण नहीं मिला, लेकिन मर्चेंट डेटा से ट्रांजैक्शन का पता चला। प्राप्त सूचना और तकनीकी जानकारी के आधार पर टीम ने आरोपित को पंजाब से पकड़ लिया।

पूछताछ में अजय ने स्वीकार किया कि वह पुर्तगाल आधारित व्हाट्सएप नंबर से संपर्क रखने वाले सामर के साथ मिलकर काम करता था। सामर रकम उसके क्रेडिट कार्ड में भेजता और नकद निकालने का निर्देश देता था। आरोपित अजय के खिलाफ कार्रवाई जारी है, साथ ही अन्य मामलों में भी उसकी संलिप्तता की जांच चल रही है।

दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान के तहत महापौर ने किया घोंडा क्षेत्र का दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने शाहदरा उत्तर जोन के घोंडा क्षेत्र का दौरा किया। महापौर ने सड़क पर सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया और स्थानीय नागरिकों को स्वच्छ दिल्ली, स्वस्थ दिल्ली का संदेश देते हुए अपील की कि वे अपने घर और आस-पास सफाई रखें और निगम की मुहिम में सक्रिय सहयोग करें।

इस दौरान महापौर ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत यमुना विहार में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। साथ ही राजा इकबाल सिंह ने क्षेत्र का निरीक्षण किया और सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन एवं नाली-नालों की सफाई की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाया जाए और जनता को साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराया जाए। महापौर ने कहा कि स्वच्छता सिर्फ निगम की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि यह समाज के हर नागरिक

का कर्तव्य है। सब मिलकर दिल्ली को कूड़े से आजादी दिला सकते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि घर-घर में स्वच्छता का संकल्प लें और निगम की मुहिम में भागीदार बनें। इस अवसर पर घोंडा विधानसभा से विधायक अजय माहवार, निगम के जोन चेयरमैन पुनीत शर्मा, उपाध्यक्ष मुकेश बंसल, स्थानीय पार्षद मनीषा पुनिया तथा उपायुक्त अभिषेक कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहे।

पुलिस ने शातिर वाहन चोर को दबोचा

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य जिले की एएटीएस यूनिट और थाना रंजीत नगर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक शातिर अंतरराज्यीय वाहन चोर को गिरफ्तार किया है, जो दिल्ली से लग्जरी गाड़ियां चुराकर पंजाब ले जाता था। पुलिस ने आरोपित से एक चोरी की फॉर्च्यूनर कार बरामद की है। जिसे वह दिल्ली से चुराकर पंजाब ले जा रहा था। पुलिस टीम को आरोपित को पकड़ने के लिए करीब 100 किलोमीटर तक पीछा करना पड़ा। इस दौरान आरोपित ने हरियाणा के मुरथल टोल पर पुलिसकर्मियों को कुचलने की कोशिश भी की, लेकिन घेराबंदी कर उसे दबोच लिया गया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपित की पहचान अमृतसर निवासी अमनदीप सिंह (42) के रूप में हुई है। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपित पहले भी 9 मामलों में शामिल रह चुका है। जिनमें कार चोरी, धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले शामिल हैं। पूछताछ में आरोपित के निशानदेही पर पंजाब से तीन और लग्जरी कारें–दो क्रेटा और एक किया सेल्टोस बरामद की गई। मध्य जिले के डीसीपी निधिन वलसन ने बताया कि 29 जुलाई को पांडव नगर इलाके से एक इनोवा कार चोरी होने की शिकायत दर्ज हुई थी। इसके बाद जिले की एएटीएस और थाना

रंजीत नगर की संयुक्त टीम बनाई गई। तकनीकी निगरानी और मुखबीर से पता चला कि चोरी की कारों के पीछे अमनदीप सिंह नाम का अंतरराज्यीय अपराधी गिरोह सक्रिय है। बीती देर रात सूचना मिली कि आरोपित चोरी की फॉर्च्यूनर लेकर पंजाब की ओर जा रहा है। पुलिस ने उसका पीछा किया और मुरथल तक घेराबंदी की। जब आरोपित को पकड़ा जाने लगा तो उसने पुलिसकर्मियों को गाड़ी से कुचलने की कोशिश की, लेकिन खुद को बचाने के लिए थोड़ी दूरी पर कार छोड़कर खेतों में भाग गया। पुलिस ने घंटों की मशक्कत के बाद उसे दबोच लिया। डीसीपी ने बताया कि गिरोह का तरीका बेहद हाई-टेक है। लग्जरी कार चुराने से पहले आरोपित और उसके साथी गाड़ी पर लगे सुरक्षा सिस्टम का कोड निकाल लेते थे। कार के पीछे लगे होलोग्राम की फोटो लेकर वे दुबई में बैठे अपने तकनीकी साथी को भेजते थे।

गृहमंत्री की निष्पक्ष टिप्पणी को राजनीतिक रंग देना दुर्भाग्यपूर्ण: एआईबीए

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया बार एसोसिएशन (एआईबीए) के चेयरमैन डॉ. आदीश सी. अग्रवाल ने 18 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों द्वारा जारी उस वक्तव्य की कड़ी निंदा की है, जिसमें उन्होंने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति बी. सुदर्शन रेड्डी को लेकर गृहमंत्री की टिप्पणियों की आलोचना की है।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके डॉ. आदीश ने कहा कि जब कोई सेवानिवृत्त न्यायाधीश स्वेच्छा से राजनीति में प्रवेश करता है तो वह अब न्यायिक पद की विशेष छवि और प्रतिरक्षा का दावा नहीं कर सकता। ऐसे में उसे अपने राजनीतिक निर्णयों और कार्यों

पर न्यायोचित आलोचना का सामना करना ही होगा। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री की टिप्पणियां न तो व्यक्तिगत थीं और न ही अपमानजनक, बल्कि यह समयानुकूल स्मरण कराती हैं कि न्यायाधीशों को अपने कार्यकाल के दौरान सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि उनके आदेश और निर्णय देश की एकता, अखंडता, सुरक्षा या संप्रभुता से कभी समझौता न करें।डॉ. अग्रवाल ने कहा, न्यायिक स्वतंत्रता सर्वोपरि है, परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि न्यायिक निर्णय अदालत की चारदीवारी से परे जाकर दूरगामी परिणाम उत्पन्न करते हैं, विशेषकर तब जब वे राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े हों। कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीशों द्वारा एक वरिष्ठ संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की निष्पक्ष टिप्पणी को राजनीतिक रंग देना दुर्भाग्यपूर्ण है और यह न्यायपालिका की निष्पक्षता पर जनता का भरोसा कमजोर करता है। ऑल इंडिया बार एसोसिएशन के रुख को दोहराते हुए उन्होंने कहा, हम न्यायिक जवाबदेही, राष्ट्रीय सुरक्षा और इस सिद्धांत के पक्षधर हैं कि कोई भी व्यक्ति - चाहे वह न्यायाधीश हो, राजनीतिज्ञ हो या जन-प्रतिनिधि- न्यायोचित आलोचना से ऊपर नहीं है।

चोरी के मामले में आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। द्वारका जिले की एंटी-बर्गलरी सेल यूनिट ने नजफगढ़ इलाके में हुई रात की चोरी की वारदात को महज 8 घंटे में सुलझा लिया। पुलिस ने इस संबंध में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान मुमताज (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 3.14 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह के अनुसार शिकायतकर्ता मुकुल जैन ने बताया कि उनके गोदाम से 19-20 अगस्त की रात को 4.5 लाख रुपये चोरी हो गए। शिकायतकर्ता के बयान पर नजफगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज की जांच में पाया कि चोर ने चेहरे को छुपाने के लिए प्लास्टिक की बोरी पहनी हुई थी और सीसीटीवी कैमरे भी बंद कर दिए थे। खास बात यह रही कि गोदाम में मौजूद कुत्ते आरोपित पर भौंके तक नहीं, जिससे पुलिस को शक हुआ कि चोरी करने वाला कोई अंदर का आदमी हो सकता है।जांच में कर्मचारियों से पूछताछ की। इसके अलावा तकनीकी निगरानी में पता चला कि मुमताज की लोकेशन वारदात के समय घटनास्थल के पास थी। मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने साईं बाबा मंदिर, नजफगढ़ के पास जाल बिछाकर मुमताज को दबोच लिया। उसके पास से चोरी के 3.14 लाख रुपये बरामद हुए। पूछताछ में मुमताज ने बताया कि वह मूल रूप से सुपौल बिहार का रहने वाला है और कुछ महीने पहले ही नजफगढ़ में गोदाम में लोडर का काम करने लगा था। उसे समय पर वेतन नहीं मिला, जिससे नाराज होकर उसने अपने साथी के साथ चोरी की साजिश रची। गोदाम के कुत्ते उसे पहचानते थे इसलिए उन्होंने उस पर हमला नहीं किया।

गणेशोत्सव पर श्रद्धालुओं के लिए रेलवे चलाएगा 380 से अधिक गणपति स्पेशल ट्रेनें

एजेंसी

नई दिल्ली। गणेशोत्सव पर श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेलवे ने इस वर्ष रिकॉर्ड 380 से अधिक गणपति स्पेशल ट्रेन फेरों के संचालन का निर्णय लिया है। गणपति उत्सव के दौरान विशेष रेलगाड़ियों के फेरों का यह नया कीर्तिमान है। रेल मंत्रालय ने जानकारी दी कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) स्टेशन से पहली गणपति स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, गणेशोत्सव की विशेष शुरुआत हुई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देनेंद्र फडणवीस ने सीएसएमटी स्टेशन से गणपति स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। भारतीय रेलवे द्वारा 380 से अधिक यात्राओं के साथ, भक्त इस त्यौहारी सीजन में एक सुगम और आनंदमय यात्रा के लिए तैयार हैं। रेलवे ने बताया कि इस वर्ष यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए गणपति स्पेशल ट्रेनों के फेरों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ाई गई है। यह विशेष सेवाएं महाराष्ट्र और कोंकण क्षेत्र के लाखों

श्रद्धालुओं को त्यौहार के दौरान सुविधाजनक और सुरक्षित यात्रा का अनुभव कराएंगी। भारतीय रेलवे की ओर से जारी बयान के अनुसार इससे पहले वर्ष 2023 और 2024 में भी रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए ना सिर्फ विशेष ट्रेनों का संचालन किया था, बल्कि उनके फेरों की संख्या भी बढ़ाई थी। वर्ष 2023 में रेलवे ने 305 गणपति स्पेशल ट्रेन फेरों का संचालन किया था, वहीं 2024 में इनकी संख्या बढ़ाकर 358 कर दी गई थी। इस बार यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए फेरों की संख्या और बढ़ाई गई है। त्योहारों के मौसम में श्रद्धालु यात्री अपनी यात्रा की तैयारी पहले से शुरू कर देते हैं। इसलिए यात्रियों की सहूलियत के लिए रेलवे द्वारा गणपति स्पेशल ट्रेनों की शुरुआत 11 अगस्त से कर दी गई है, जबकि गणेशोत्सव 27 अगस्त से 6 सितंबर तक मनाया जाएगा। यात्रियों को स्पेशल ट्रेनों से संबंधित विस्तृत जानकारी आईआरसीटीसी की वेबसाइट, रेलवन ऐप और कंप्यूटरीकृत पीआरएस पर उपलब्ध कराई गई है।

सीबीआई ने लखनऊ में नारकोटिक्स ब्यूरो के दो इंस्पेक्टरों को 10 लाख रुपये की रिश्वत मामले में किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन), लखनऊ के दो इंस्पेक्टरों और एक निजी नर्सिंग होम के मालिक को 10 लाख रुपये की रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने 26 अगस्त को विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर यह मामला दर्ज किया। आरोप है कि सीबीएन, लखनऊ के दो इंस्पेक्टरों और कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने लखनऊ के एक निजी नर्सिंग होम के मालिक को प्रतिबंधित दवा की खरीद के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर रिश्वत मांगी थी। जांच के दौरान, निजी नर्सिंग होम के मालिक द्वारा सीबीएन के आरोपित अधिकारियों को दी गई 10 लाख रुपये की रिश्वत बरामद की गई। दोनों आरोपित इंस्पेक्टरों और रिश्वत देने वाले नर्सिंग होम मालिक को हिरासत में ले लिया गया है। आगे की कार्रवाई जारी है।

जलवायु परिवर्तन के असर से पूरे भारत में मानसून का पैटर्न हो रहा प्रभावित: अध्ययन

एजेंसी

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन के असर से पूरे भारत में मानसून का पैटर्न प्रभावित हो रहा है। पिछले दस सालों में कम समय में भारी बारिश की घटनाएं बढ़ रही हैं। पिछले 10 वर्षों में राजस्थान, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र के शुष्क क्षेत्रों में बारिश उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। वहीं गंगा के मैदान, पूर्वोत्तर भारत और ऊपरी हिमालय क्षेत्र में स्थित 11 प्रतिशत तहसीलों में बारिश में कमी देखी गई है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के नेशनल मानसून मिशन के उच्च रिजोल्यूशन वाले डेटा पर आधारित इस अध्ययन के अनुसार, देश की 55 फीसदी 'तहसीलों' या सब-डिस्ट्रिक्ट में पिछले दशक (2012-2022) में बारिश में 10 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दिखाई दे रही है। इसमें राजस्थान, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र और तमिलनाडु कुछ भागों जैसे पारंपरिक रूप से सूखे क्षेत्रों की तहसीलें शामिल हैं। इनमें से लगभग एक-चौथाई तहसीलों में जून से सितंबर की अवधि के दौरान वर्षा में 30 प्रतिशत से अधिक की स्पष्ट

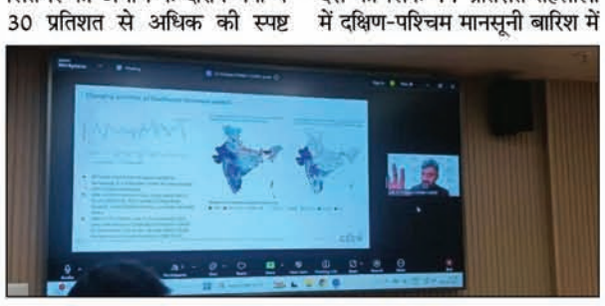

बढ़ोतरी देखी जा रही है। सीईईडब्ल्यू में आयोजित कार्यशाला में सीईईडब्ल्यू के प्रोग्राम लीड डॉ. विश्वास चितले ने बताया कि अध्ययन में देश की 4,500 से अधिक तहसीलों में 40 वर्षों (1982-2022) के दौरान हुई बारिश का अपनी तरह का पहला सूक्ष्म विश्लेषण किया है। इससे पिछले दशक में तेजी से बदलने वाले और अनियमित मानसून पैटर्न की जानकारी सामने आई है। अध्ययन से पता चलता है कि पिछले दशक में देश की सिर्फ 11 प्रतिशत तहसीलों में दक्षिण-पश्चिम मानसूनी बारिश में कमी दिखाई दी है। ये सभी तहसीलें वर्षा आधारित सिंधु-गंगा के मैदान, पूर्वोत्तर भारत और ऊपरी हिमालयी क्षेत्रों में स्थित हैं। ये क्षेत्र भारत के कृषि उत्पादन के लिए अति-महत्वपूर्ण हैं और जहां नाजुक पारिस्थितिकी-तंत्र मौजूद है, जो जलवायु की चरम घटनाओं के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है। डॉ. चितले ने कहा कि बढ़ती अनियमित बारिश के पैटर्न को देखते हुए अर्थव्यवस्था को भविष्य में ऐसी घटनाओं के प्रभावों से सुरक्षित बनाने पर ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा। मानसून हमारे जीवन के सभी पहलुओं पर असर डालता है। सीईईडब्ल्यू का यह अध्ययन न केवल पूरे भारत में पिछले 40 वर्षों के दौरान दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पूर्वी मानसून के उतार-चढ़ावों की जानकारी जुटाता है, बल्कि स्थानीय स्तर पर जोखिम के आकलन के लिए निर्णय-निर्माताओं को तहसील-स्तरीय बारिश की जानकारी उपलब्ध कराता है। मौसम की बढ़ती चरम घटनाओं को देखते हुए, अति-स्थानीय स्तर पर जलवायु जोखिमों का आकलन करना और कार्य योजनाएं बनाना भारत के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून से बारिश में कमी का सामना करने वाली तहसीलों में से 87 प्रतिशत, बिहार, उत्तराखंड, असम और मेघालय जैसे राज्यों में स्थित हैं।

रोइनेट की 'बीसी-सखी' पहल से बदल रही ग्रामीण महिलाओं की ज़िंदगी

एजेंसी

नई दिल्ली। वाराणसी की रहने वाली 35 वर्षीय जयलक्ष्मी देवी ज्यादा पढ़ी लिखी नहीं थी लेकिन जब वे बैंकिंग कॉरस्पॉन्डेंट्स(बीसी-सखी) बन कर काम करने लगी तब उन्हें कोई गंभीरता से नहीं लेता था लेकिन आज लोगों का नजरिया बदलने के साथ यह काम उनके लिए रोजगार का जरिया बन गया है। जयलक्ष्मी कहती हैं कि पहले लोग कहते थे कि यह क्या सिखाएगी बैंकिंग? लेकिन आज स्थिति यह है कि उनके सारे वित्तीय कामकाज संभाल रही हूं। इसी तरह बीए पास और दो बच्चों की मां 36 वर्षीय रिया शर्मा की कहानी भी जुदा नहीं है। उन्होंने बीसी-सखी बनने से पहले कभी कहीं काम नहीं किया था। आज वह अपने परिवार के सहयोग से 14 से 15 हजार रुपए प्रतिमाह कमा रही है। वे कहती हैं कि ÷यह सब संभव हो सका क्योंकि उन्होंने सही दिशा में अपना पहला कदम बढ़ाया था और आज कई महिलाओं को बैंकिंग का काम सिखा कर आत्मनिर्भर बन गई हूं और लोगों की धारणा को भी बदल रही हूं। यह सिर्फ इन् दोनों महिलाओं की कहानी नहीं बल्कि बीसी सखी बन चुकी कई महिलाओं की है जो आज न केवल आत्मनिर्भर बन रही है बल्कि अन्य ग्रामीण महिलाओं को भी प्रेरित कर रही हैं। गुरुग्राम की फिनटेक कंपनी रोइनेट ने पांच साल पहले बीसी-सखी पहल की शुरुआत की थी। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को बैंकिंग संवाददाता (बैंकिंग कॉरस्पॉन्डेंट्स) के रूप में निशुल्क प्रशिक्षण देना है, ताकि वे अपने समुदायों को घर-घर जाकर वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करा सकें। इन महिलाओं को स्मार्टफोन, बायोमेट्रिक माइक्रो-एटीएम और एक यूज़र-फ्रेंडली ऐप से लैस किया गया है, जिससे वे डिजिटल तौर पर सशक्त बनें। यह पहल सिर्फ 105 बीसी-सखियों से शुरू हुई थी, वहीं आज यह आंकड़ा 10,000 से अधिक सक्रिय बीसी-सखियों तक पहुंच चुका है। इनमें से कई महिलाएं पहली बार आय अर्जित कर रही हैं और 10 से 50 हजार रुपये प्रति माह तक कमा रही हैं। रोइनेट के संस्थापक और प्रबंध निदेशक, समीर माथुर बताते हैं कि शुरू में ग्रामीण भारत में महिलाओं के बैंकिंग सेवाएं देने की अवधारणा को लेकर संदेह था। लोग पूछते थे, %घूंघट में रहने वाली महिला बैंकिंग सेवा कैसे देगी? लेकिन हमने इन महिलाओं में सीखने, कमाने और समाज में अपनी पहचान बनाने की ललक देखी। उन्हें प्रशिक्षण दे कर बीसी-सखी बनाया। उन्हें देखकर गांव की अन्य महिलाएं भी बैंकिंग से जुड़ने लगी।

संपादकीय

भारत चाहता है यह युद्ध का नहीं, शांति का दौर बने

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध और हिंसा ने सभ्यता की प्रगति को खतरे में डाल दिया है। रूस-यूक्रेन संघर्ष इसके ताजे उदाहरण के रूप में हमारे सामने है। इस युद्ध ने न केवल यूरोप की स्थिरता को हिलाकर रख दिया है, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग शरणार्थी बने और ऊर्जा तथा खाद्यान्न संकट ने विकासशील देशों को प्रभावित किया। ऐसे कठिन समय में भारत ने अपनी पारंपरिक नीति-अहिंसा, निशस्त्रीकरण और अयुद्ध का परिचय कराते हुए यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमीर जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण देकर भारत ने संकेत दिया है कि युद्ध विराम एवं शांति समझौता कराने में भारत सक्रिय भूमिका निभा सकता है, निश्चित ही इस कदम का स्वागत होना चाहिए। रूस एवं यूक्रेन को भारत बातचीत की टेबल पर ले आता है, तो यह पूरी दुनिया के हित में होगा, इससे युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होगा।

भारत द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति को भारत आने का निमंत्रण देना केवल शांति प्रयासों का हिस्सा ही नहीं है, बल्कि यह अमेरिका की चालों को करारा जवाब देने वाला एक कूटनीतिक कदम भी है। हाल के दौर में अमेरिका ने भारत पर ट्रेड टैरिफ लगाकर और विभिन्न आर्थिक दबाव बनाकर उसकी अर्थव्यवस्था को अस्थिर एवं अस्तव्यस्त करने की कोशिश की है। किंतु मोदी सरकार ने अपनी दृढ़ कूटनीति से यह संदेश दिया है कि भारत अब किसी दबाव में आने वाला नहीं है। जेलेन्स्की को आमंत्रित कर भारत ने यह दिखा दिया कि वह रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संवाद रखकर स्वतंत्र नीति अपनाने में सक्षम है और अमेरिका की अपेक्षाओं के आगे झुकने के बजाय अपनी शांति और संतुलन की राह पर आगे बढ़ रहा है। यह कदम भारत की आत्मनिर्भर, साहसी और वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार कहा है-ह्यायह युद्ध का दौर नहीं है ह्ल यह वाक्य केवल एक कूटनीतिक कथन नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत नीति और सांस्कृतिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने केवल शब्दों तक ही सीमित भूमिका नहीं निभाई, बल्कि ठोस मानवीय प्रयास भी किए। ह्यऑपरेशन गंगाह्ल के अंतर्गत हजारों भारतीय छात्रों और नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। भारत ने यूक्रेन को दवाइयां, मानवीय सहायता और राहत सामग्री भेजी। भारत ने रूस और यूक्रेन, दोनों से संवाद बनाए रखा। पिछले साल अगस्त में नरेन्द्र मोदी यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। इससे पहले उन्होंने रूस की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेन्स्की से निरन्तर बातचीत में भी भारत का रूख स्पष्ट किया कि शांति बहाल होनी चाहिए, यह युद्ध का दौर नहीं, बल्कि शांति एवं विकास का दौर है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एवं रूसी राष्ट्रपति पूतिन के बीच अलास्का में हुई शिखर वार्ता का भी भारत ने स्वागत किया और कहा था कि बातचीत एवं कूटनीति ही आगे बढ़ने एवं युद्ध विराम का रास्ता है।

रूस और यूक्रेन के बीच यदि कभी बातचीत की प्रक्रिया शुरू होती है, तो उसमें भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। आज भारत की छवि एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में उभरी है। भारत न केवल जनसंख्या और अर्थव्यवस्था के लिहाज से बड़ा देश है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से भी विश्व में एक अलग पहचान रखता है। गांधी की भूमि, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा से प्रेरित यह राष्ट्र यदि शांति का झंडा उठाता है, तो उसकी आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि पूरी दुनिया आज भारत से अपेक्षा कर रही है कि वह शांति का नेतृत्व करे। भारत की यह भूमिका उसे केवल एक उभरती महाशक्ति ही नहीं बनाती, बल्कि विश्वगुरु के रूप में स्थापित करती है। क्योंकि भारत जानता है-शांति ही मानवता का वास्तविक मार्ग है, और अहिंसा ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति। भारत की शांति नीति केवल रूस-यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान-इजरायल, इजरायल-हमास युद्ध हो, अफगानिस्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल-पुथल-भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है।

कुत्ता प्रसंग और युधिष्ठिर

प्रमोद भार्गव

आजकल न्यायालय से सड़क तक कुत्ता प्रसंग चल रहा है। यह गोवंश को बचाने से कहीं ज्यादा अहम् हो गया है। अब अह्य तो दोनों ही हैं, गाय दूध के लिए माता कही जाती है और कुत्ता आदमी का वफादार मित्र है। उसकी यही कृतज्ञता के फलतः महाभारत युग में धर्मराज युधिष्ठिर अपने अनुजों के साथ भक्त कुत्ते को भी स्वगारोहण के लिए ले गए थे। जैसे कुत्ता न हुआ शरीर का कोई अभिन्न हिस्सा हुआ।

आवारा और अनाथ बच्चों के आश्रयों की तरह देश में पशु-आश्रय स्थल भी बन गए हैं। इनमें आवारा, कटखना, खोए हुए कुत्तों और बिल्लियों को शरण दी जाती है। घर के कई बुजुर्ग, कई-कई संतान होने के बाद भी वृद्धाश्रमों में दिन काटने को मजबूर हैं। नाती-पोतों से वंचित रहते हुए अकेलेपन को अवसाद में भोग रहे हैं। बढ़ते एकल परिवारों में बूढ़ों का यही हश्र हो रहा है।

लेकिन देश को इन बूढ़ों से कहीं ज्यादा कुत्तों की चिंता हैं। अतएव पीर्श न्यायालय का आदेश है कि आवारा एवं कटरखने कुत्तों को पकड़कर उनकी टीकाकरण के साथ नसबंदी भी की जाए। तदुपरांत उन्हें छोड़ा जाए। यदि कोई कुत्ता हिंसक होने के साथ रेबीज से संक्रमित है तो वह संरक्षण में ही रहे। पशु प्रेमी चाहें तो ऐसे कुत्तों को गोद भी ले सकते हैं।

भला करें राम! जिस देश के बाल संरक्षण गृह, नशा मुक्ति केंद्र और आंगनवाड़ियां अथार्भाव के चलते बच्चों को कुपोशित होने से नहीं बचा पा रही हैं, वहीं अब बच्चों से ज्यादा कुत्तों की चिंता बढ़ रही है। अदालतें भी कुत्तों पर मेहरबान हैं। चूंकि न्यायालयों पर काम का बोझ बहुत है, करोड़ों मामले लंबित हैं। इस परिप्रेक्ष्य में न्यायालय ने आवारा कुत्तों के स्थायी पुनर्वास के संबंध में निर्देश दिए हैं कि इस आदेश के विरुद्ध अर्जी पेश करने वाले व्यक्ति को अब 25 हजार और सरकारी संगठनों को दो लाख रुपए पंजीकरण हेतु शीर्ष न्यायालय को देने होंगे। यह राशि कुत्तों के लिए बुनियादी सुविधाएं हासिल कराने के काम आएगी। इस कमाल की बाध्यता के चलते जनहित याचिकाएं लगाने वाले लोगों की संख्या घट जाएगी।

अंततः कुत्ते के प्रति असली मोह न तो अदालत का है और न ही अर्जीकत्ताओं का ? श्वान की वफादार प्राकृतिक प्रवृत्ति के प्रति असली मोह तो आदमी और कुत्ते के बीच जीव-जगत के अस्तित्व में आने से लेकर अब तक निर्लिप्त भाव से युधिष्ठिर ने ही जताया है। उनका कुत्ता मोह इतना अटूट है कि स्वगारोहण तक बना रहता है। जबकि पत्नी द्रोपदी से लेकर भाई तक उनका साथ छोड़ते चलते हैं पर कुत्ता साथ बना रहता है।

तो भला करें पांडवों का राम! पांडव पृथ्वी की परिक्रमा लगाकर योग बल के बूते हिमालय पर उत्तर दिशा में चल रहे हैं। योग के संयम से द्रोपदी का मन भंग हो गया और वे प्राण छोड़ते हुए पृथ्वी पर गिर पड़ीं। तब भीम ने धर्मराज युधिश्ठिर से इस मृत्यु का कारण जाना। वे बोले, द्रोपदी पक्षपात करते हुए अर्जुन से सबसे ज्यादा प्रेम करती थी, अब उसी का फल भोग रही है। इसके बाद अपनी बौद्धिक विद्वता का भ्रम पाले रखने वाले सहदेव धरा पर लुढ़क गए। भीम ने फिर कारण जाना। धर्मराज बोले, सहदेव अपने जैसा किसी को बुद्धिजीवी नहीं समझता था। बुद्धि-भ्रम उसका आजीवन बड़ा दोश रहा। अतएव चलता बना। स्वर्ग के कथित मार्ग पर आगे बढ़े तो सर्वश्रेश्ठ रूपवान नकुल धराशयी हो गए।

आवारा कुत्तों की वापसी का मार्ग प्रशस्त पर सवाल आज भी बाकी है!

अशोक भाटिया

सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को पकड़ कर डॉग शेल्टर में रखने के अपने 11 अगस्त के आदेश में शुक्रवार को संशोधन कर दिया है। संशोधित आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आवारा कुत्तों को पकड़ कर उनका बंध्याकरण व टीकाकरण करने के बाद उन्हें छोड़ा जाएगा।

लेकिन इसके साथ ही कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि आक्रामक और रैबीज संक्रमित कुत्ते पकड़ने के बाद छोड़े नहीं जाएंगे यहां तक कि उन्हें डॉग शेल्टर में भी अलग रखा जाएगा। शीर्ष अदालत ने यह भी आदेश दिया है कि नगरीय निकाय तत्काल प्रभाव से प्रत्येक वार्ड में आवारा कुत्तों को भोजन कराने के लिए एक निश्चति स्थान (फीडिंग प्वाइंट) बनाएंगी। कोई भी संस्था या व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में कुत्तों को सड़क पर खाना नहीं खिलाएगा और जो व्यक्ति इस निर्देश का उल्लंघन करते हुए पाया जाएगा उसके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्यवाही होगी।

कोर्ट का यह आदेश देश भर में समान रूप से लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट ने मामले का दायरा बढ़ाते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया है। आठ सप्ताह में अनुपालन रिपोर्ट दाखिल होगी और मामले पर फिर सुनवाई होगी। ये आदेश न्यायमूर्ति विक्रमनाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की तीन सदस्यीय पीठ ने 11 अगस्त के दो सदस्यीय पीठ के आदेश में मामूली संशोधन करते हुए दिए।

11 अगस्त को न्यायमूर्ति जेबी पाडीवाला और आर महादेवन की पीठ ने आवारा कुत्तों के काटने की समस्या पर स्वतः संज्ञान लेते हुए बहुत से निर्देश दिये थे। आदेश दिया था कि सभी आवारा कुत्तों को पकड़ कर डॉग शेल्टर में रखा जाएगा वहां उनका बंध्याकरण, टीकाकरण किया जाएगा लेकिन उन्हें दोबारा छोड़ा नहीं जाएगा। कोर्ट के इस आदेश पर कुत्ता और पशु प्रेमियों ने बड़ी प्रतिक्रिया देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अर्जियां दाखिल कर आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी। जिस पर अब तीन न्यायाधीशों की पीठ ने उस आदेश में थोड़ा संशोधन किया है।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश एक कानून है, इसलिए भले ही कुत्तों को आश्रय स्थलों में रखने का आदेश दिल्ली तक सीमित हो, लेकिन यह आग्रह करना स्वाभाविक है कि इसे अन्य राज्यों के शहरों में लागू किया जाए। स्वाभाविक रूप से, विभिन्न शहरों के पशु प्रेमी सड़कों पर उतर आए होंगे। पहले से ही, मुंबई में पुलिस कक्ष को कबूतर प्रेमियों और विरोधियों को रखने के लिए ढीला कर दिया गया है। अगर इससे देशव्यापी बहस छिड़ जाती, तो यह गड़बड़ हो जाती। 2019 की पशु

गणना के अनुसार, देश में 15 मिलियन आवारा कुत्ते हैं। इतने सारे कुत्तों के लिए आश्रय स्थलों का खुलना, टीकाकरण और नसबंदी के लिए पशु चिकित्सकों की नियुक्ति, और कुत्तों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था एक ऐसा आदेश था जिसने सैकड़ों करोड़ रुपये के बोझ में सैकड़ों करोड़ रुपये जोड़ दिए। परिणाम को लागू करना व्यावहारिक नहीं था और ये संस्थान इसे लागू नहीं कर पाते क्योंकि उनके पास कुत्तों के लिए आश्रय स्थापित करने की वित्तीय ताकत नहीं थी। इसलिए अच्छा हुआ कि पशु मित्रों ने समय रहते फैसले को चुनौती दी और कोर्ट ने भी गलती सुधार ली।

कोर्ट ने सुझाव दिया कि आवारा कुत्तों को खिलाने के लिए एक विशिष्ट स्थान तय किया जाना चाहिए। इसके अलावा कोर्ट ने स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर कोई भी कहीं भी उठकर आवारा कुत्तों को खाना खिलाएगा तो यह काम नहीं करेगा। कोर्ट ने कहा कि कुत्तों को कहीं भी खाना खिलाने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बेशक, कोर्ट ने कहा, इसके लिए स्थानीय सरकारी कर्मचारियों को सतर्क रहना होगा। सुबह टहलने जाने वाले लोग और पशु मित्र अक्सर रात में कुत्तों को खाना खिलाते हैं। नगरपालिकाओं और स्थानीय निकायों से यह अपेक्षा करना कि यह कैसे करना है, हमारे देश की वास्तविकताओं से अवगत नहीं होना है। नगरपालिकाओं, नगर पालिकाओं और पुलिस की देखभाल करने की कुछ सीमा होनी चाहिए।

इस संबंध में, नागरिकों की जिम्मेदारी भी बहुत बड़ी है। पशु मित्र और उनके संगठन जो आवारा कुत्तों का समर्थन करते हैं, प्राथमिकता के साथ आए हैं। एक बार कुत्तों को खिलाने के स्थानों की पहचान हो जाने के बाद, पशु मित्र संगठनों को कुत्तों द्वारा आधे-अधूरे छोड़े गए स्थानों की सफाई की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। अन्यथा, कुत्ते बड़ी संख्या में रहेंगे जहां खाना खाया जाता है। भोजन के लिए एक-दूसरे पर हमला करें और आसपास के क्षेत्रों के लोग खाए गए भोजन की गंध से परेशान होंगे। जो कबूतरों का हुआ है, वही इन ढाबों का भी होगा जो सड़कों पर आवारा कुत्तों के लिए खोले गए थे। लोग यह रुख अपनाएंगे कि ह्यहमारे क्षेत्र में कुत्तों को खिलाने के लिए कोई सार्वजनिक सुविधा नहीं हैह्ल, और संघर्ष जारी रहेगा। आंकड़े बताते हैं कि 2024 में देश भर में 3,715,713 लोगों को आवारा कुत्तों ने काटा था। यह रिकॉर्ड किया गया दंश इस बात का संकेत है कि स्थिति कितनी गंभीर है। इसका मतलब है कि देश में सैकड़ों लोग हर दिन कुत्तों द्वारा काटे जाते हैं। इंसान और कुत्ते। उनके बीच संघर्ष की जड़ यह है कि कुत्ते मनुष्यों को काटने की पेशकश करते हैं। मनुष्यों और कुत्तों के बीच जितना अधिक सामंजस्य होगा, उतना ही यह समस्या हल हो जाएगी। कुत्ते के शिकार पर मुख्य रूप से पहरा होता है, बच्चे और बुजुर्ग। पशु मित्रों को भी कुत्तों से निपटने के तरीके के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। इस तरह के संतुलित और व्यापक उपायों से इस समस्या का समाधान हो जाएगा।

अदालत ने कहा कि अन्य क्षेत्रों में भोजन की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि अनियमित भोजन से आम आदमी को समस्याएं होती हैं। अदालत ने उल्लंघनों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के लिए हेल्पलाइन बनाने का भी निर्देश दिया। पीठ ने घोषणा की कि कोई भी व्यक्ति या संगठन अधिकारियों के कर्तव्यों के निर्वहन में कोई बाधा उत्पन्न नहीं करेगा। सुविधाओं के निर्माण के लिए प्रत्येक गैर-सरकारी संगठन को 25,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि एबीसी नियमों के अनुसार, किसी भी व्यक्ति या संगठन को नगर निगम अधिकारियों को कुत्तों को उठाने से नहीं रोकना चाहिए।

कोर्ट ने आदेश में आवारा कुत्तों को गोद लेने की भी छूट दी है। आदेश में कहा है कि पशु प्रेमी आवारा कुत्तों को गोद लेने के लिए संबंधित नगर निकाय को अर्जी दे सकते हैं लेकिन उनकी जिम्मेदारी होगी कि जो कुत्ता उन्होंने गोद लिया है वह सड़क पर वापस नहीं होना चाहिए। कोर्ट ने सभी नगर निकायों को हलफनामा दाखिल कर मौजूदा ढांचागत संसाधनों के आंकड़े जैसे डॉग शेल्टर की संख्या, पशु चिकित्सक, कुत्ता पकड़ने वाले लोग, कुत्ता पकड़ने का विशेष वाहन और पिंजड़े आदि की संख्या बताने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पशुपालन विभाग के सचिवों और स्थानीय निकायों के सचिवों के जरिए पक्षकार के तौर पर जोड़ने का आदेश दिया है ताकि उनके यहां एबीसी रूल लागू करने के बारे में उठाए गए कदमों की जानकारी मिल सके। इसके साथ ही कोर्ट ने देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों में आवारा कुत्तों की समस्या से संबंधित लंबित याचिकाएं भी सुप्रीम कोर्ट स्थानांतरित कर ली हैं। जिन पर इस मामले के साथ ही सुनवाई की जाएगी। कोर्ट ने आठ सप्ताह में अनुपालन रिपोर्ट मांगी है। मामले में आठ सप्ताह बाद फिर सुनवाई होगी।

दूसरी तरफ आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के संशोधित फैसले से लोगों में निराशा बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि विभिन्न सोसायटियों और कॉलोनियों में पहले से ही फीडिंग पॉइंट बने हुए हैं, लेकिन डॉग लवर्स अब भी जगह-जगह कुत्तों को खाना खिलाते हैं।गर सार्वजनिक स्थानों पर खाना खिलाने का विरोध होता है, तो वे हिंसा पर उतर आते हैं। ऐसी घटनाएं पहले भी कई बार हो चुकी हैं।ट्रांस हिंडन के इंदिरापुरम, वैशाली, वसुंधरा, कौशांबी, मोहननगर, भोपुरा, राजेंद्र नगर, लाजपत नगर आदि इलाकों में कई सोसायटियां हैं, जिनमें सालों से फीडिंग पॉइंट बने हुए हैं।लेखक ने स्वयं इस रविवार को खाना खिलाने का विरोध को अजमाने के लिए वसई (जिला -पालघर) में सार्वजानिक स्थान पर रात को खाना खिलाने वालों का विरोध किया तो जवाब मिला ह्य बुड्ढे चल यहाँ से नहीं तो इन्ही कुत्तों से कटवा देंगे ह्य।फोटो भी नहीं निकालने दिया गया । लेखक कई वर्षों से आवारा कुत्तों के आतंक के बारे में लिखते आ रहे है । एक बार सार्वजानिक स्थान को खाना खिलाते व स्थान गन्दा करने का समाचार फोटो सहित अखबारों में छापने पर श्रीमती मेनका गाँधी के कार्यालय से चेतावनी भी सुन चुके है ।

इनमें से ज्यादातर सोसायटियों के पदाधिकारियों और लोगों का कहना है कि कुछ ही डॉग लवर्स उस पॉइंट का इस्तेमाल करते हैं। ज्यादातर डॉग लवर्स बेसमेंट, लिफ्ट के पास, पार्क, पार्किंग आदि में कुत्तों को खाना खिलाते हैं। फिर वही कुत्ते मौका मिलते ही लोगों पर हमला कर देते हैं।ज्यादातर कुत्ते बच्चों और बुजुर्गों पर हमला करते हैं। डॉग लवर्स द्वारा विरोध करने पर मारपीट हो जाती है। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंच जाता है। इससे लोग विरोध भी नहीं कर पाते।

सोचिए, आप किसे फॉलो कर रहे हैं

डॉ सत्यवान सौरभ

आज का युग सोशल मीडिया का युग है। यहाँ हर व्यक्ति कहीं न कहीं किसी का फॉलोवर है और किसी न किसी का आदर्श चुनता है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि आखिर हम किसे फॉलो कर रहे हैं और क्यों कर रहे हैं। करोड़ों फॉलोअर्स वाले लोग अक्सर केवल एक या दो को ही फॉलो करते हैं। यह संकेत देता है कि असली प्रेरणा संख्याओं से नहीं बल्कि चयन से आती है। जैसे पानझगुटखा बेचने वाला व्यक्ति विज्ञापन में लाखों लोगों को खाने की प्रेरणा देता है, लेकिन खुद उस जहर को नहीं छूता। इसका अर्थ यही है कि जो सामने दिख रहा है, वही सच्चाई नहीं होता। जो हमें प्रेरणा देने का दावा करते हैं, उनके जीवन में वही मूल्य हों, यह जरूरी नहीं।

हमारे समाज में फॉलो करने की संस्कृति नई नहीं है। पहले के समय में लोग गुरुओं को, विचारधारा को या अपने आदर्श नायकों को फॉलो करते थे। परन्तु तब यह चयन गहरी समझ और अनुभव के आधार पर होता था। आज की डिजिटल दुनिया में यह चयन अक्सर केवल बाहरी चमकझदमक, लोकप्रियता, दिखावटी लाइफस्टाइल और आकर्षण पर आधारित हो गया है। लाखों की भीड़ किसी व्यक्ति को फॉलो करती है, लेकिन यह नहीं सोचती कि वह व्यक्ति वास्तव में समाज को क्या दे रहा है। क्या उसका जीवन दूसरों के लिए उदाहरण है, या केवल मनोरंजन और व्यर्थ का समय खर्च करने का साधन। यही सबसे बड़ा प्रश्न है जिस पर हर व्यक्ति को विचार करना चाहिए।

हमारे शहीदों और महापुरुषों ने कभी भी लोकप्रियता के लिए त्याग नहीं किया। भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खाँ जैसे वीरों ने अपने जीवन का हर क्षण देश के लिए समर्पित किया। उन्होंने कभी यह नहीं सोचा कि उन्हें कितने लोग फॉलो कर रहे हैं, बल्कि उनका ध्यान केवल इस पर था कि उनकी प्रेरणा से कितने लोग सही मार्ग पर चलें। उनके आदर्श ही असली प्रेरणा हैं जिन्हें हमें फॉलो करना चाहिए।

आज सोशल मीडिया पर सितारे अपनी फिल्मों, फैशन या जीवनशैली से करोड़ों फॉलोवर बटोरते हैं। मगर क्या उनकी चमक हमारे जीवन की अंधेरियों को मिटा सकती है? क्या उनकी जीवनशैली को फॉलो करना हमारे लिए व्यावहारिक है? क्या उनका दिखाया गया रास्ता हमारे भविष्य को सुरक्षित कर सकता है? शायद नहीं। क्योंकि जो व्यक्ति अपने जीवन में आराम, विलासिता और दिखावे को ही सर्वोपरि मानता है, वह आम आदमी के संघर्षों को कभी समझ ही नहीं सकता। उनके संदेश हमारे जीवन को दिशा नहीं दे सकते, केवल मनोरंजन भर कर सकते हैं।

इसके उलट हमारी संस्कृति हजारों वर्षों से हमें सिखाती रही है कि असली आदर्श वही है जो हमारे जीवन को उपयोगी दिशा दे। गीता का संदेश केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन के हर संघर्ष में हमें प्रेरणा देता है। उपनिषद हमें ज्ञान की ओर ले जाते हैं, विवेकानंद हमें आत्मविश्वास देते हैं, गांधी हमें सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं, डॉ. भीमराव अंबेडकर हमें समानता और अधिकारों का बोध कराते हैं। यह सभी व्यक्तित्व ऐसे हैं जिनका अनुसरण करना न केवल हमारे लिए बल्कि पूरे समाज के लिए लाभकारी है।

सोचने की बात यह है कि हम किसे अपना नायक बना रहे हैं। एक फर्जी लाइफस्टाइल दिखाने वाला सेलिब्रिटी या अपने प्राण न्यौछावर कर देने वाला शहीद? वह व्यक्ति जो केवल मनोरंजन करता है या वह महापुरुष जो हमारी आत्मा को झकझोरता है और हमें कर्मठ, साहसी और जागरूक बनाता है।

फॉलो करना केवल बटन दबाने का नाम नहीं है। फॉलो करना मतलब है किसी की सोच, उसके विचारों और उसके जीवन को अपने जीवन का हिस्सा बनाना। अगर हम किसी ऐसे व्यक्ति को फॉलो करते हैं जिसकी जीवनशैली खोखली है, तो हम भी धीरे-धीरे उसी खोखलेपन का हिस्सा बन जाते हैं। लेकिन अगर हम किसी महान व्यक्तित्व को फॉलो करते हैं, तो हमारे जीवन में भी उनकी महानता की झलक दिखाई देने लगती है।

आज के समय में युवाओं के लिए यह सबसे बड़ा चैलेंज है कि वे किसे अपना आदर्श मानें। दुनिया दिखावे की ओर भाग रही है, परन्तु हमें यह तय करना है कि हम दिखावे के पीछे भागेंगे या असली मूल्यों को अपनाएँगे। हमें यह समझना होगा कि असली स्टार वही है जो हमारे अंधेरों में रोशनी लेकर आए, न कि वह जो केवल चमकते मंच पर रोशनी में दिखे।

जब हम भारतीय शहीदों और संस्कृति को फॉलो करते हैं, तो हम न केवल अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं, बल्कि भविष्य को भी सुरक्षित बनाते हैं। संस्कृति हमें सिखाती है कि जीवन का लक्ष्य केवल भोग नहीं बल्कि त्याग और सेवा है। शहीद हमें सिखाते हैं कि राष्ट्रहित से बड़ा कोई धर्म नहीं। इनसे प्रेरणा लेने का अर्थ है अपने जीवन को सार्थक दिशा देना।

याद रखिए, भीड़ हमेशा सही दिशा में नहीं जाती। कभी-कभी भीड़ अंधेरे में भी दौड़ती है। समझदार वही है जो सोचकर तय करे कि उसे किस दिशा में जाना है। अगर करोड़ों लोग किसी को फॉलो कर रहे हैं, तो इसका अर्थ यह नहीं कि वह व्यक्ति महान है। महान वही है जो बिना फॉलोवर के भी अपने जीवन से दूसरों को प्रेरणा देता है।

इसलिए आज आवश्यकता है कि हम अपने चयन पर गंभीरता से विचार करें। किसी को फॉलो करने से पहले यह प्रश्न अवश्य पूछें कि क्या यह व्यक्ति मेरे जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है? क्या इसकी प्रेरणा मेरे समाज और देश के लिए उपयोगी है? क्या इसकी दिशा मुझे आगे बढ़ने में मदद करेगी? अगर उत्तर हाँ है, तो निःसंकोच उसे फॉलो करें। और यदि उत्तर नहीं है, तो भले ही उसके लाखोंझकरोड़ों फॉलोवर हों, हमें साहसपूर्वक उसे अनदेखा करना चाहिए।

ग्रामीण विकास को गति देती पंचायतें

विजय गर्ग

भारत में पंचायत को सुशासन की दृष्टि से देखें, तो लोक सशक्तीकरण इसकी पूर्णता है और लोक विकेंद्रीकरण की नजर से देखें, तो यह एक ग्रामीण स्वशासन की परिपाटी की पूर्ति है जो ग्रामीण विकास के लिए कहीं अधिक जरूरी है। इतना ही नहीं यह गांधी के ग्राम- स्वराज के सपने को भी बल देता है। सुशासन शांति और खुशहाली का परिचायक है। जबकि पंचायत एक ऐसी संस्था है जो ग्रामीण स्वराज को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत में 6.65 लाख गांव हैं, जिनमें 2.68 लाख ग्राम पंचायतें और ग्रामीण स्थानीय निकाय हैं, जो देश के ग्रामीण परिदृश्य का आधार हैं। पंचायतें ग्रामीण विकास को गति दे ही रही हैं, आम आदमी की भी ताकत बन रही हैं।

केंद्रीय बजट 2025-26 में ग्रामीण विकास को रफ्तार देने और केंद्रित कार्यक्रमों तथा निवेशों के जरिए समृद्धि बढ़ाने के उद्देश्य से कई प्रमुख पहल की गई। मसलन वर्ष 2028 तक के लिए जीवन मिशन, ब्राडबैंड सुविधा, जिसका लक्ष्य यह

है कि जिस पंचायत को राजनीति से परे और नीति उन्मुख सजग प्रहरी की भूमिका में समस्या दूर करने का एक माध्यम माना जाता है, आज वही कई समस्याओं से जकड़ी हुई है। जिस पंचायत ने सबसे नीचे के लोकतंत्र को कंधा दिया हुआ है, वही कई जंजालों से मुक्त नहीं है, चाहे वित्तीय संकट हो या उचित नियोजन की कमी या फिर अशिक्षा, रूढ़िवादिता तथा पुरुष वर्चस्व के के साथ जाति और ऊंच-नीच के पूर्वाग्रह ही क्यों न हों। यह समस्या पिछले तीन दशकों में घटी तो है और इसी पंचायत यह सिद्ध भी किया है कि उसका कोई विकल्प नहीं है।

पंचायत की व्याख्या में क्षेत्र विशेष में शासन करने का विशिष्ट अधिकार निहित है। इसी अधिकार से उन दायित्वों की पूर्ति होती है जो ग्रामीण प्रशासन के अंतर्गत स्वशासन का बहाव भरता है और ग्रामीण बदलाव की गाढ़ी रेखा खींचता है। वर्ष 1997 का नागरिक घोषणापत्र सुशासन का ही शिखर था और 2005 में सूचना का अधिकार इसी का अगला अध्याय इतना ही नहीं वर्ष 2006 की ई-गवर्नेंस योजना भी सुशासन की रूपरेखा को ही विस्तृत नहीं करती, बल्कि इनसे पंचायत को भी ताकत मिलती है। वर्ष 1992 में सुशासन की अवधारणा सबसे पहले ब्रिटेन में सामने आई थी। वर्ष 1991 में उदारीकरण के बाद इसकी पहल भारत में भी देखी गई। सुशासन के इसी वर्ष में पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक स्वरूप दिया जा रहा था। संविधान के 73वें संशोधन में जब इसे संवैधानिक स्वरूप दिया गया, तब वर्ष 1959 से राजस्थान के नागौर से यात्रा कर रही यह पंचायत रूपी संस्था नए आभामंडल से युक्त हो गई। वर्ष 1992 में हुए इस संशोधन को 24 अप्रैल 1993 को लागू किया गया।

स्वशासन के संस्थान के रूप में इसकी व्याख्या दो तरीके से की जा सकती है। पहला संविधान में इसे सुशासन के रूप में निरूपित किया गया है, जिसका सीधा मतलब स्वायत्तता और क्षेत्र विशेष में शासन करने का पूर्ण अधिकार है। दूसरा यह प्रशासनिक संघीयकरण को मजबूत करता है। गौरतलब है कि संविधान के इसी संशोधन में गांधी के ग्राम स्वराज को पूरा किया, मगर क्या यह बात भी पूरी शिद्दत से कही जा सकती है कि स्वतंत्र भारत की अति महत्त्वाकांक्षी संस्था स्थानीय स्वशासन से परिपूर्ण है। पंचायतों में एक तिहाई महिलाओं का आरक्षण इसी संशोधन के साथ सुनिश्चित कर दिया गया था जो मौजूदा समय में पचास फीसद तक है। देखा जाए तो तीन दशक से अधिक पुरानी संवैधानिक पंचायती राज व्यवस्था में व्यापक बदलाव आया है। राजनीतिक माहौल में सहभागी महिला प्रतिनिधियों के प्रति रूढ़िवादी सोच में अच्छा खासा बदलाव हुआ, जिसके परिणामस्वरूप वे भय, संकोच और घबराहट को दूर करने में कामयाब भी रही हैं।

लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का ही परिणाम है कि पंचायतों की प्रतिष्ठा बढ़ी है। महिलाओं की भागीदारी भी सामने आ रही है। मगर राजनीतिक माहौल में अपराधीकरण, बाहुबल, जातिवाद और ऊंच-नीच आदि दुगुर्णों से पंचायतें मुक्त नहीं है। समानता पर आधारित सामाजिक संरचना का गठन भी शासन की एक कड़ी है। इसका लक्ष्य ऐसे समाज का निर्माण करना जहां शोषण और सुशासन का प्रभाव हो, जिससे पंचायत में पारदर्शिता को बढ़ावा मिल सके।

आईडीएफ का दावा- गाजा के नासिर अस्पताल पर हमले में छह 'आतंकवादी' मारे गए

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया है कि गाजा के नासिर अस्पताल पर किए गए हवाई हमले में मारे गए लोगों में से छह 'आतंकी' थे। आईडीएफ ने कहा कि इनमें से एक आतंकी ने 07 अक्टूबर को इजराइल में हुई घुसपैठ में हिस्सा लिया था। आईडीएफ के बयान के मुताबिक, प्रारंभिक जांच के निष्कर्ष बताते हैं कि मारे गए छह लोग आतंकवादी थे। इनमें से एक व्यक्ति 07 अक्टूबर की घुसपैठ में शामिल था। साथ ही चीफ ऑफ जनरल स्टाफ ने नागरिकों को हुए नुकसान पर खेद जताया है। उल्लेखनीय है कि नासिर अस्पताल पर हुए इस हमले में कम से कम 20 लोगों की मौत हुई थी। इनमें पांच पत्रकार और कई मेडिकल वर्कर शामिल थे, जो शुरुआती हमले के बाद मौके पर पहुंचे थे। इस घटना के बाद इजराइल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

नेपाल भारत क्षेत्रीय सीमा सुरक्षा प्रमुखों की बैठक दार्चुला में संपन्न

काठमांडू। उत्तराखण्ड से सटे नेपाली सीमावर्ती क्षेत्र के सीमा सुरक्षा प्रमुखों की बैठक दार्चुला में संपन्न हुई। इस बैठक में उत्तराखंड सीमावर्ती क्षेत्र के लिए एसएसबी के अधिकारी और नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रदेश के सशस्त्र प्रहरी बल के अधिकारी मौजूद रहे। डीआईजी स्तरीय नेपाल भारत सीमा सुरक्षा बैठक में सीमापार अपराध को रोकने, सीमा स्तंभों का अभिलेखीकरण और मरम्मत कार्य करने, सूचना आदान प्रदान करने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। इस बैठक में नेपाल के तरफ से सशस्त्र सीमा बल सुदूर पश्चिम प्रदेश के डिआईजी प्रदीप पाल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया वहीं भारत के तरफ से अल्मोड़ा रेंज के एसएसबी के डीआईजी सुधांशु नौटियाल और देहरादून रेंज के डीआईजी अनिल कुमार शर्मा की उपस्थिति रही। सशस्त्र प्रहरी बल के डीआईजी प्रदीप पाल ने बताया कि यह सीमावर्ती क्षेत्र के डीआईजी स्तरीय सुरक्षा समिति की नियमित बैठक है। इस बैठक में सीमा स्तंभ के मरम्मत के साथ ही आपराधिक गतिविधि नियंत्रण के लिए सूचना आदान प्रदान को लेकर सहमति बनी है। उन्होंने बताया कि खुली सीमा का लाभ उठाकर किसी तीसरे मुल्क के नागरिकों के द्वारा अवैध रूप से प्रवेश पर विशेष सतर्कता अपनाने और संयुक्त गस्त लगाने पर भी सहमति हुई है।

बेल्जियम पीएम बोले- अभी यूरोक्लीयर में ही रहे रूस की फ्रीज की हुई संपत्तियां, जब्त करना कानूनी रूप से मुश्किल

बर्लिन। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी. वेवर ने कहा कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से फ्रीज की गई रूस की राज्य संपत्तियों को फिलहाल बेल्जियम स्थित यूरोक्लीयर सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी में ही रहने देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि इन संपत्तियों को जब्त कर यूक्रेन के लिए उपयोग करने की कोशिश कानूनी रूप से बेहद जटिल हो सकती है। जी7 देशों ने 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद से करीब 300 अरब डॉलर की रूसी संप्रभु संपत्तियां फ्रीज की हुई हैं। यूरोपीय संघ के अनुमान के मुताबिक इनमें से लगभग 210 अरब यूरो (करीब 246 अरब डॉलर) यूरोप में हैं, जिनमें से ज्यादातर सरकारी बॉन्ड के रूप में ब्रसेल्स स्थित यूरोक्लीयर में जमा हैं। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में डी वेवर ने कहा, कई सरकारें इस धन को जब्त करना चाहती हैं, लेकिन मैं चेतावनी देना चाहता हूं कि यह कानूनी रूप से इतना आसान नहीं है। इन संपत्तियों में रूसी सेंट्रल बैंक के फंड भी शामिल हैं, जिन्हें कानूनी प्रतिरक्षा प्राप्त है। ऐसे में जब्ती का फैसला गंभीर परिणाम ला सकता है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी कार्रवाई की गई तो अन्य देश भी अपनी राज्य निधियां वापस खींच सकते हैं, जिससे वैश्विक वित्तीय प्रणाली पर गंभीर असर पड़ेगा।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे जमानत पर रिहा

कोलंबो (श्रीलंका)। भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार देश के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को आज दोपहर जमानत पर रिहा कर दिया गया। इससे पहले कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट निलुपिली लंकापुरा ने उन्हें जमानत प्रदान की। अगली सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी। पुलिस ने आज उनकी अदालत में पेशी होने की संभावना के मद्देनजर सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त किया। डेली मिरर अखबार के अनुसार पुलिस ने अदालत की ओर जाने वाले तीन प्रमुख रास्तों पर लोगों की आवाजाही सीमित कर दी। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने 22 अगस्त को चार घंटे की पूछताछ के बाद पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को गिरफ्तार किया था। वे सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोपों पर बयान दर्ज कराने के लिए एजेंसी के दफ्तर पहुंचे थे। यह मामला सितंबर, 2023 में उनकी पत्नी प्रो. मैत्री विक्रमसिंघे के वॉल्वरहैम्प्टन विश्वविद्यालय के स्नातक समारोह में शामिल होने के लिए लंदन की उनकी यात्रा से संबंधित है। वह श्रीलंका के इतिहास में गिरफ्तार होने वाले पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं। आपराधिक जांच विभाग के अधिकारियों का दावा है कि यात्रा और सुरक्षा खर्चों के लिए सरकारी धन का इस्तेमाल किया गया। पूर्व राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने इन आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने जोर देकर कहा है कि उनकी पत्नी ने अपना खर्च खुद वहन किया और किसी भी सार्वजनिक धन का दुरुपयोग नहीं किया।

तूफान काजीकी से मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हुई

एजेंसी

हनोई । वियतनाम में तूफान काजिकी और उसके कारण आई बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। एक व्यक्ति अभी भी लापता है और 34 अन्य घायल हैं। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। कृषि एवं पर्यावरण मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए, वियतनाम समाचार एजेंसी ने बताया कि 15 घर नष्ट और 8,700 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए, जिनमें 63 स्कूल और आठ चिकित्सा केंद्र शामिल हैं। 81,500 हेक्टेयर से अधिक चावल के खेत जलमग्न हो गए और लगभग 2,000 मवेशी और मुर्गियां मारी गईं।

समाचार एजेंसी ने वियतनाम समाचार एजेंसी के हवाले से बताया, ÷प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चीन्ह ने स्थानीय अधिकारियों को बिजली, दूरसंचार, परिवहन, स्कूल और स्वास्थ्य सेवाओं को तत्काल बहाल करने का आदेश दिया है। साथ ही, नए शैक्षणिक वर्ष से पहले प्रभावित समुदायों को स्थिर करने के लिए राहत सामग्री पहुंचाने और क्षतिग्रस्त घरों की मरम्मत करने का भी आदेश दिया है। वियतनाम में साल का पांचवां तूफान, टाइफून काजिकी, इस

सप्ताह की शुरुआत में आया और इसने कई उत्तरी और मध्य प्रांतों में भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ तबाही मचाई। वियतनाम अकेला ऐसा देश नहीं है जो टाइफून काजिकी का सामना कर रहा है। यह तूफान पहले चीन के हैनान द्वीप से गुजरा था और दक्षिण चीन में भारी बारिश और तेज हवाएं लेकर आया था। वर्ष का 13वां तूफान, काजिकी, रविवार रात दक्षिण चीन के द्वीपीय प्रांत हैनान के तट से गुजरा, जिससे 1,00,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए। काजिकी प्रतिक्रिया पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के अनुसार, यह तूफान रिसॉर्ट शहर सान्या से लेडोंग ली स्वायत्त काउंटी तक के अपतटीय क्षेत्रों से गुजरा और वियतनाम के मध्य और उत्तरी तटीय क्षेत्रों की ओर बढ़ गया। शुरुआती आंकड़ों से पता चला है कि हैनान में लगभग 1,02,500 लोग प्रभावित हुए हैं, और सोमवार सुबह 9 बजे तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है।

तूफान ने सान्या, लेडोंग, लिंगशुई और वानिंग सहित कई शहरों और जिलों में सड़कों, वाटर सप्लाई सिस्टम, बिजली और संचार सुविधाओं को नुकसान पहुंचाया है। इसके साथ ही कुछ इलाकों में पेड़ गिर गए हैं और बाढ़ आ गई है।

सेना, सशस्त्र पुलिस और अग्निशमन दल के 10,000 से अधिक कर्मियों को भेजा गया है और गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ नियंत्रण, आपदा राहत और सड़क मार्ग साफ करने के लिए 7,70,000 से अधिक आपातकालीन आपूर्तियां आवंटित की गई हैं।

नेपाल में भारत के अलावा अन्य देश से भारतीय मुद्रा लाने ले जाने पर प्रतिबंध

काठमांडू। नेपाल की केन्द्रीय बैंक नेपाल राष्ट्र बैंक ने किसी भी व्यक्ति को भारत के अलावा अन्य किसी भी देश से भारतीय मुद्रा लाने और ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। राष्ट्र बैंक की तरफ से मंगलवार को जारी सूचना में इस संबंध में किए गए प्रावधानों की जानकारी दी है। नेपाल राष्ट्र बैंक के गवर्नर डॉ विश्व पौडेल ने बताया कि नेपाल के नागरिक हो या किसी अन्य देश के नागरिक आज से किसी को भी भारत के अलावा किसी अन्य देश से भारतीय मुद्रा ले जाने और नेपाल लाने पर कानूनी रुप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। गवर्नर पौडेल ने कहा कि नेपाल आने वाले भारतीय सहित अन्य देशों के नागरिकों को 100 रुपये से अधिक के नोट अपने साथ में न रखें। नेपाल राष्ट्र बैंक ने नेपाल में भारत के सिर्फ सौ का नोट ही कानूनी रूप से वैध है। आज जारी सूचना में कहा गया है कि यदि किसी के पास 100 रुपए से अधिक का कोई भी भारतीय नोट पाए जाने पर उसे जब्त कर लिया जाएगा। साथ ही यह भी जानकारी दी गई है कि भारत में 9 नवंबर 2016 से बंद किए जा चुके 500 और 1000 के पुराने नोट पाए जाने पर उस व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। नेपाल आने वाले भारतीय नागरिकों को अपने साथ 4 लाख 38 हजार रुपये तक नकद रखने की छूट दी गई है। भारत से आने वाले अन्य विदेशी नागरिकों को 5000 अमेरिकी डॉलर तक लाने की छूट दी गई है। इससे अधिक रकम लाने पर उसकी स्वघोषणा करना अनिवार्य बनाया गया है। इसके अलावा अन्य विदेशी मुद्रा लाने की छूट भी 5000 डॉलर बराबर के रकम तक की गई है।

अफगानिस्तानः काबुल में सड़क दुर्घटना, 25 लोगों की मौत, 27 घायल

एजेंसी

काबुल । अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के पश्चिम में सुबह एक यात्री बस के पलट जाने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी तालिबान के आंतरिक मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने दी। मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि यह घटना दक्षिणी कंधार को काबुल से जोड़ने वाले राजमार्ग पर अरघांडी इलाके में हुई और लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुई। कानी ने आगे बताया कि पुलिस और आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत संज्ञान लिया और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंचाया। अफगानिस्तान में सड़क सुरक्षा के लिहाज से यह सप्ताह बेहद विनाशकारी रहा है, जिसमें लगभग 100 लोगों की जान चली गई। काबुल की दुर्घटना से पहले पश्चिमी हेरात प्रांत के गुजारा जिले में एक और भीषण हादसा हुआ था। इस दुर्घटना में एक यात्री बस ईरान से

निर्वासित अफगान प्रवासियों को काबुल ले जा रही थी। यह बस एक मोटरसाइकिल और ईंधन ट्रक से टकरा गई, जिसके बाद बस में आग लग गई और 79 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 19 बच्चे और कई महिलाएं शामिल थीं। प्रांतीय पुलिस ने बताया कि 24 अगस्त को उत्तरी अफगानिस्तान के बदख्शां प्रांत में एक वाहन के सड़क से उतरकर पलट जाने से तीन यात्रियों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता एहसानुल्लाह कामगर ने बताया कि यह घटना 24 अगस्त को कोहिस्तान जिले के पुल-ए-शोपे इलाके में हुई, जहां एक यात्री वाहन लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण पलट गया। मृतकों में एक महिला और एक बच्चा शामिल हैं, जिनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

श्रीलंका के पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी देशबंधु तेनाकून को तीन साल बाद मिली जमानत, जेल से रिहा

एजेंसी

कोलंबो। देश के पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी देशबंधु तेनाकून लगभग तीन साल बाद आज जेल से रिहा कर दिए गए। तेनाकून को 9 मई, 2022 को गॉल फेस में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर हमले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट निलुपुली लंकापुरा ने उन्हें सशर्त जमानत देते हुए उनकी यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है।

डेली मिरर अखबार की खबर के अनुसार पूर्व कार्यवाहक पुलिस महानिरीक्षक तेनाकून को डुम्बारा जेल से जूम के जरिए अदालत में पेश किया गया। अदालत ने जमानत आदेश में स्पष्ट किया कि तेनाकून इस मामले में 33वां संदिग्ध नहीं, बल्कि 37वां संदिग्ध है। 33वां संदिग्ध लियानाद मेंडिस है। श्रीलंका के उच्चतम न्यायालय ने 14 दिसंबर, 2023 को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए देशबंधु तेनाकून को यातना के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया था। इसके बाद उनकी नियुक्ति के खिलाफ दायर नौ मौलिक

याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने अंतरिम आदेश जारी करके तेनाकून को कार्यवाहक पुलिस महानिरीक्षक के रूप में कार्य करने से रोक दिया था। याचिकाओं में देशबंधु पर ईस्टर संडे नरसंहार और मई 2022 में 'गोटागोगामा' विरोध स्थल पर हुई घटनाओं के संबंध में उनकी चूक के आरोप लगाए गए थे।

श्रीलंका में रानिल विक्रमसिंघे के समर्थक अदालत के फैसले से खुश

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के समर्थक और प्रशंसक अदालत के उन्हें जमानत देने के फैसले से खुश हैं। विपक्षी नेता सजित प्रेमदासा ने विक्रमसिंघे को जमानत देने के अदालत के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा, इससे एक बार फिर साबित होता है कि न्यायपालिका में कोई भी दखल नहीं दे सकता। हम इस नतीजे से खुश हैं। इससे साबित होता है कि देश की न्याय व्यवस्था स्वतंत्र है। डेली मिरर अखबार की खबर के अनुसार, कल फोर्ट मजिस्ट्रेट कोर्ट में कुछ पल तनावपूर्ण रहे। जब खबर आई कि पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को कथित सरकारी धन के दुरुपयोग से जुड़े मामले में जमानत मिल गई है तो स्थिति सामान्य हो गए। दोपहर से ही अदालत के बाहर भीड़ जमा थी। लोग रानिल के समर्थन में नारे लगा रहे थे। न्यायालय के प्रवेश द्वार पर उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई जब बौद्ध भिक्षुओं

के एक समूह को प्रवेश करने से रोक दिया गया। भिक्षु थिन्यावाला ज्ञानलोक थेरा और अम्बनपोला ज्ञानरत्न थेरा ने बाद में पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। जमानत मिलने की सूचना पाकर श्रीलंका पोडुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) सांसद नमल राजपक्षे ने भावुक बयान देते हुए कहा, हम किसी भी चीज के लिए तैयार हैं। मौजूदा सरकार ने मेरे परिवार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। मेरे पिता ने 1989 के विद्रोह के दौरान जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) सदस्यों को बचाने की कोशिश की थी, फिर भी आज वे उनके पीछे पड़े हैं। पूर्व सांसद हिरुनिका प्रेमचंद्र ने भी भावुक होते हुए कहा, कुछ लोग पूर्व राष्ट्रपति विक्रमसिंघे और उनकी पत्नी मैत्री के पीछे पड़ गए हैं। वो कैंसर से जूझ रही हैं और लोग उनकी मृत्यु की कामना भी कर रहे हैं। इसलिए मैं जेवीपी मुख्यालय जाकर %अनुरा, अनुरा% चिल्लाने को मजबूर हूं। सांसद चमारा संपत दासनायके ने विपक्षी दलों से एकता का आह्वान किया। उन्होंने कहा, मुझे परवाह नहीं कि नेतृत्व कौन करता है। अब महत्वपूर्ण यह है कि हम सब एक झंडे तले एकजुट हों। जब रानिल विक्रमसिंघे से संसद में वापसी के बारे में पूछा गया तो उनके साथ मौजूद पूर्व मंत्री मनुशा नानायक्कारा ने इस संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, अगर विक्रमसिंघे संसद में वापसी करना चाहते, तो वे पहले ही ऐसा कर चुके होते।

ईरानी राजदूत को ऑस्ट्रेलिया से निकालने के बाद तेहरान बोला- 'हम भी जवाब देंगे'

एजेंसी

सिडनी/तेहरान। ईरान ने ऑस्ट्रेलिया द्वारा अपने राजदूत को निष्कासित करने के फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए चेतावनी दी है कि इस कूटनीतिक कदम का 'जवाबी असर' होगा। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब ऑस्ट्रेलिया ने ईरान पर सिडनी और मेलबर्न में यहूदी संस्थानों पर आगजनी के हमलों के पीछे होने का आरोप लगाया। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने मंगलनार को साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम इन ऑस्ट्रेलिया के आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हैं। कूटनीतिक स्तर पर किसी भी अनुचित कार्रवाई का जवाब दिया जाएगा। बाकाई ने यह भी आरोप लगाया कि ऑस्ट्रेलिया का यह कदम घरेलू राजनीतिक दबाव का नतीजा है और हाल के गाजा युद्ध विरोधी प्रदर्शनों से ध्यान हटाने के लिए उठाया गया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री को कमजोर नेता बताते हुए लिखा, ईरान पर लगाया गया आरोप बिल्कुल बेतुका है। यह कार्रवाई केवल फिलिस्तीन के लिए ऑस्ट्रेलियाई जनता के समर्थन की कीमत है। कैनबरा को यह समझना चाहिए कि वह युद्ध अपराधियों द्वारा संचालित शासन (इजराइल) को खुश करने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने बड़ा फैसला लेते हुए ईरानी राजदूत अहमद सादेगी को 'पर्सोना नॉन ग्राटा' घोषित कर उन्हें और तीन अन्य अधिकारियों को सात दिनों के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने अपना दूतावास तेहरान में बंद कर दिया और अपने राजदूत को भी वापस बुला लिया।

बांग्लादेश और दक्षिण कोरिया रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर सहमत

एजेंसी

ढाका (बांग्लादेश)/सियोल (दक्षिण कोरिया)। बांग्लादेश और दक्षिण कोरिया ने अपने मौजूदा राजनीतिक और विकासात्मक संबंधों को और गहरा करने पर सहमति जताई है। साथ ही रणनीतिक साझेदारी के अवसर भी तलाशे हैं। बांग्लादेश विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, दोनों देशों ने यह सहमति कल सियोल में आयोजित विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) के चौथे दौर के दौरान जताई। बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार की खबर में आज यह जानकारी दी गई। द डेली स्टार के अनुसार, विदेश मंत्रालय के सचिव (द्विपक्षीय-पूर्व और पश्चिम) डॉ. नजरुल इस्लाम ने बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल और कोरियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्रालय के प्रथम उपमंत्री पार्क यूनजू ने किया। दक्षिण कोरिया 1.3 बिलियन डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)

के साथ बांग्लादेश का पांचवां सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रदाता है। सैमसंग सहित 200 से अधिक कोरियाई कंपनियों की बांग्लादेश में महत्वपूर्ण उपस्थिति है। दक्षिण कोरिया में लगभग 20,000 बांग्लादेशी नागरिक रहते हैं। इनमें से अधिकांश प्रवासी कामगार और उनके परिवार हैं। प्रतिनिधियों ने राजनीतिक और आर्थिक सहयोग, व्यापार और निवेश, मानव संसाधन विकास, बुनियादी ढांचे के विकास, कोरियाई इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उत्पादन संयंत्रों के स्थानांतरण, ऊर्जा सहयोग, सुरक्षा और रोहिंग्याओं की स्थिति के साथ-साथ आपसी हित के अन्य क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा परिवर्तन, मत्स्य पालन, जैव प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, कृषि मशीनीकरण और समुद्री बंदरगाहों एवं शिपयार्डों के आधुनिकीकरण में सहयोग के नए अवसरों की पहचान की। कोरियाई पक्ष ने ऋण और अनुदान दोनों के तहत बांग्लादेश की उच्च-गुणवत्ता वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समर्थन किया। कोरियाई पक्ष ने रोहिंग्याओं की मेजबानी में बांग्लादेश की मानवीय भूमिका की सराहना की और निरंतर मानवीय सहायता के साथ-साथ म्यांमार में उनके शीघ्र प्रत्यावर्तन के लिए निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया।

पाकिस्तान में पंजाब के छह जिलों में बाढ़ से निपटने के लिए सेना बुलाई गई

एजेंसी

लाहौर (पंजाब) पाकिस्तान। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के छह जिलों में नदियों के जलस्तर में तेजी से हो रही वृद्धि से बाढ़ की आशंका बढ़ गई है। पंजाब सरकार तटीय क्षेत्र के गांवों को खाली करा रही है। साथ ही बचाव और राहत कार्यों में सहायता के लिए छह जिलों में सेना बुलाई गई है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने मंगलवार देर रात कहा कि भारत ने रावी नदी पर स्थित अपने थीन बांध के सभी द्वार खोल दिए हैं। इस दौरान बारिश के कारण चिनाब नदी उफान पर है। चिनाब के निचले इलाके में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं डान अखबार की खबर के अनुसार, बुधवार आधीरात बाद 2 बजे हेड मराला में चिनाब और हेड जस्सर में रावी नदियां खतरे के निशान को पार कर गईं। इससे इलाके में बाढ़ आ गई। चिनाब पर स्थित हेड खानकी और हेड कादिराबाद भी अगले 24 घंटों के भीतर खतरनाक स्तर को पार कर सकते हैं। अधिकारियों को डर है कि रावी नदी से व्यापक नुकसान हो सकता है। लाहौर और कसूर सहित कई जिलों में आपातकालीन स्थिति उत्पन्न हो गई है। कसूर में 72 गांव और 45,000 निवासी प्रभावित हुए हैं। पाकपट्टन, वेहारी, बहावलनगर और बहावलपुर सहित सतलुज बेसिन में हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 14,000 नागरिकों और 17,000 पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। पीडीएमए ने कहा कि उसने 130 नावें, 115 आउटबोर्ड मोटरें, 500 बचावकर्मी, 1,300 लाइफ जैकेट और 1,600 टेंट भी तैनात किए हैं। रेस्क्यू 1122 ने कहा कि उसने कसूर, ओकारा, पाकपट्टन, बहावलनगर और वेहारी से 28,055 लोगों को निकाला है। पीडीएमए के महानिदेशक इरफान अली काठिया ने नदी-तल और नालों, खासकर देग नाले से तत्काल जल निकासी के आदेश दिए हैं। इस बीच राहत आयुक्त नबील जावेद ने मुर्री और गलियत में भूस्खलन की चेतावनी जारी की है। पंजाब गृह विभाग के एक प्रवक्ता के अनुसार, लाहौर, फैसलाबाद, कसूर, सियालकोट, नरोवाल और ओकारा जिलों में जिला प्रशासन की मदद के लिए सेना की तैनाती की गई है। इस बीच राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल इनाम हैदर मलिक ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान के 7,500 ग्लेशियरों में से लगभग 45 प्रतिशत तेजी से पिघल रहे हैं।

अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो कल अपने इजराइली समकक्ष से मिलेंगे

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका),। अमेरिका के विदेशमंत्री मार्को रुबियो कल दोपहर विदेश विभाग में इजराइली विदेशमंत्री गिदोन सार से मुलाकात करेंगे। इसी वक्त व्हाइट हाउस में गाजा पर एक बड़ी बैठक

होने की उम्मीद है। इसकी अध्यक्षता राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप करेंगे। सीएनएन की खबर के अनुसार, इजराइली विदेशमंत्री गिदोन सार इस समय वाशिंगटन में हैं। रूबियो से मुलाकात के अलावा सार गृह सुरक्षा विभाग की सचिव क्रिस्टी नोएम से भी मुलाकात करने वाले हैं। नोएम इजराइली दूतावास के कर्मचारियों यारोन लिस्चिंस्की और सारा मिलग्राम की हत्या के बाद मई में इजराइल का दौरा कर चुकी हैं। विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा है कि व्हाइट हाउस में गाजा पर होने वाली अहम बैठक की रूपरेखा तैयार की जा रही है। बैठक में बहुत से लोग शामिल होंगे। यह बैठक राष्ट्रपति ट्रंप के मानवीय उद्देश्यों को दर्शाती है।

बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, चीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को चेतावनी दी

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान) । बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, चीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को चेतावनी दी है। बीएलएफ ने कहा कि बलोचिस्तान के संसाधनों का दोहन करने में पाकिस्तान के साथ गठबंधन करने वाली किसी भी विदेशी शक्ति को परिणाम भुगतने होंगे। इसी के साथ बीएलएफ ने अपने आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय समर्थन की अपनी अपील को दोहराया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, यह चेतावनी बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर ग्वाहरम बलोच ने जारी एक बयान में दी। प्रवक्ता ने कहा कि बीएलएफ का आंदोलन बलोच राष्ट्रीय मुक्ति संग्राम है। इस संघर्ष का एकमात्र मकसद पाकिस्तान से आत्मनिर्णय का अधिकार प्राप्त करना है। मेजर ग्वाहरम ने कहा कि बलोच स्वतंत्रता संग्राम 75 वर्ष से भी अधिक समय से चल रहा है। बयान में कहा गया है, बलोच आतंकवादी नहीं हैं। वे स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहे हैं और अपनी मातृभूमि, संसाधनों और राष्ट्रीय पहचान की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बीएलएफ ने बलोचिस्तान की खनिज संपदा के खनन के संबंध में पाकिस्तान के साथ नए समझौते करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की कड़ी निंदा की। ग्वाहरम के अनुसार, वाशिंगटन का यह निर्णय एक गंभीर अन्याय है। बयान में अमेरिका की संलिप्तता की तुलना पाकिस्तान और चीन के बीच ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) पर हुए पहले के समझौतों से की गई। बीएलएफ ने बीजिंग पर बलोच स्वतंत्रता आंदोलन को आतंकवाद बताकर अपनी औपनिवेशिक भूमिका को छुपाने का आरोप लगाया। प्रवक्ता ने कहा, बलोचिस्तान के संसाधनों

की लूट में पाकिस्तान के साथ साझेदारी करने वाले किसी भी व्यक्ति को कोई सफलता हासिल नहीं होगी। बीएलएफ ने सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को भी चेतावनी दी और दोनों देशों से बलोचिस्तान में निवेश से बचने का आग्रह किया। ग्वारम बलोच ने पाकिस्तान की सेना पर बलोचिस्तान में नागरिकों पर अत्याचार करने का आरोप लगाया। समूह ने अपना रुख दोहराया कि बलोच मुक्ति आंदोलन पाकिस्तान का आंतरिक मामला नहीं है। ग्वारम ने सीधे तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और चीन को संबोधित करते हुए चेतावनी दी कि बलोचिस्तान के संसाधनों का दोहन करने में पाकिस्तान के साथ गठबंधन करने वाली किसी भी विदेशी शक्ति को परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा, यह जापान नहीं है, आयरलैंड नहीं है, या कोई और क्षेत्र नहीं है। यह बलोचिस्तान है। विरोधियों के लिए इसका भूगोल कठोर है, लेकिन बलोचों का प्रतिरोध कहीं ज्यादा कठोर है।समूह के प्रवक्ता ने कहा कि बीएलएफ को पड़ोसी देशों और वैश्विक शक्तियों से वित्तीय, सैन्य और कूटनीतिक समर्थन की आवश्यकता है। बलोच ने यह भी कहा, हमें अपना संघर्ष शुरू करने या खत्म करने के लिए किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। बलोच राष्ट्र किसी भी कीमत पर अपने खनिजों, तेल, गैस और तटरेखा की रक्षा करेगा।

यूनाइटेड पेंशन स्कीम से नेशनल पेंशन स्कीम में स्विच करने की सुविधा शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारियों को अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए अब एक नया विकल्प मिल गया है। अब वे एक ही बार में यूनाइटेड पेंशन स्कीम (PS) से नेशनल पेंशन स्कीम (NPS) में स्विच कर सकते हैं। यह सुविधा कर्मचारियों को अपनी पेंशन योजना चुनने में अधिक लचीलापन प्रदान करती है। यह वन-टाइम स्विच सुविधा उन कर्मचारियों के लिए शुरू की गई है, जो अपनी मौजूदा पेंशन योजना से संतुष्ट नहीं हैं और एनपीएस के फायदों का लाभ उठाना चाहते हैं। एनपीएस एक बाजार-आधारित पेंशन योजना है, जो निवेशकों को अपनी पसंद के फंड मैनेजर और निवेश विकल्पों को चुनने की आजादी देती है। यह सुविधा यह सुनिश्चित करेगी कि कर्मचारी अपनी रिटायरमेंट के लिए बेहतर रिटर्न प्राप्त कर सकें। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए, कर्मचारियों को अपनी मौजूदा यूनाइटेड पेंशन स्कीम के खाते को एनपीएस में ट्रांसफर करने के लिए एक आवेदन जमा करना होगा। यह आवेदन एक निर्धारित समय सीमा के भीतर करना होगा। इस प्रक्रिया में, यूपीएस में जमा की गई पूरी राशि, जिसमें कर्मचारी और नियोक्ता का योगदान शामिल है, को एनपीएस खाते में ट्रांसफर कर दिया जाएगा। यूपीएस से एनपीएस में स्विच करने के कई फायदे हैं, जैसे उच्च रिटर्न की संभावना, निवेश विकल्पों में लचीलापन और कर लाभ। हालांकि, इसमें बाजार के जोखिम भी शामिल हैं, क्योंकि एनपीएस का रिटर्न सीधे बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करता है।

यूएस टैरिफ का भारत पर असरः लेबर-इंटेंसिव निर्यात खतरे में, लाखों नौकरियां जा सकती हैं

नई दिल्ली। संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च टैरिफ के कारण भारत के श्रम-आधारित निर्यात (लेबर-इंटेंसिव एक्सपोर्ट्स) पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। इस स्थिति ने न केवल निर्यातकों के लिए चुनौतियां खड़ी की हैं, बल्कि इससे लाखों नौकरियों पर भी खतरा पैदा हो गया है। भारतीय निर्यातक इस समस्या के समाधान के लिए सरकार से तत्काल राहत की मांग कर रहे हैं। अमेरिका ने हाल ही में भारत से आयातित कुछ खास वस्तुओं पर टैरिफ में भारी वृद्धि की है, जिनमें मुख्य रूप से हाथ से बने सामान, कपड़े, चमड़े के उत्पाद और अन्य श्रम-गहन वस्तुएं शामिल हैं। इन टैरिफ ने भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा करना बेहद मुश्किल बना दिया है। अमेरिका में इन वस्तुओं की मांग कम हो रही है, जिससे भारतीय निर्यात में गिरावट आ रही है। भारत में ये श्रम-आधारित उद्योग लाखों लोगों को रोजगार देते हैं, जिनमें से ज्यादातर छोटे और मझोले उद्यमों में काम करते हैं। अमेरिकी टैरिफ से इन उद्योगों की कमाई और उत्पादन दोनों पर नकारात्मक असर पड़ रहा है, जिससे कर्मचारियों की छंटनी की आशंका बढ़ गई है। यदि यह स्थिति बनी रहती है, तो लाखों लोगों की आजीविका खतरे में पड़ सकती है। निर्यातकों ने सरकार से आग्रह किया है कि वे अमेरिकी प्रशासन के साथ बातचीत कर इस समस्या का हल निकालें और उद्योगों को बचाने के लिए नीतिगत सहायता प्रदान करें।

भारत पांच साल में 100 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लिए प्रतिबद्धः जोशी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीनीकृत ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत साल अगले पांच साल में 100 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। वैश्विक पवन ऊर्जा परिषद (जीडब्ल्यूईसी) की रिपोर्ट विंड एट द कोर्रः ड्राइविंग इंडियाज ग्रीन एम्बिशन्स एंड इंटरनेशनल इन्फ्लुएंस के अनावरण के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में एक वीडियो संदेश में श्री जोशी ने कहा, भारत दुनिया के सबसे महत्वाकांक्षी ऊर्जा परिवर्तनों में से एक को क्रियान्वित कर रहा है। हम 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें 100 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता शामिल है। नवीकरणीय ऊर्जा मिश्रण में पवन ऊर्जा के लगभग एक-चौथाई योगदान की उम्मीद के साथ, भारत न केवल स्वच्छ ऊर्जा के जुड़े बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है, बल्कि हम भविष्य का निर्माण भी कर रहे हैं।÷ रिपोर्ट का अनावरण नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष कुमार सारंगी ने किया। इसमें बताया गया है कि साल 2030 तक भारत की पवन ऊर्जा क्षमता 51 गीगावाट से दोगुनी होकर 107 गीगावाट पर पहुंच सकती है। हालांकि एनआरईएल, आईईए, डब्ल्यूआरआई और लॉरेंस बर्कले जैसे संगठनों की रिपोर्टें 2030 तक 121-164 गीगावाट पवन ऊर्जा की सिफारिश करती हैं।

अमेरिका ऊर्जा क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग के लिए प्रतिबद्धः जियाबिंग फेंग

नई दिल्ली। ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय उत्पादों पर भारी-भरकम आयात शुल्क लगाये जाने के बाद दोंनों देशों के बीच जारी व्यापार तनाव के बीच अमेरिकी दूतावास की एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अमेरिका भारत को ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास हासिल करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों और सेवाओं के निर्यात में सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत-अमेरिकी व्यापार चैंबर (आईएसीसी) के यहां आयोजित तीसरे ऊर्जा शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुये में अमेरिकी दूतावास की प्रधान वाणिज्य अधिकारी जियाबिंग फेंग ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में परिवर्तनकारी बदलाव ला सकता है। उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब हम भविष्य की ओर देखते हैं, अमेरिका उच्च गुणवत्ता वाले कार्य-वर्ग के उत्पादों और सेवाओं के निर्यात के माध्यम से भारत के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

छत्तीसगढ़ के 32 सौ करोड़ रुपये के शराब घोटाले में जांच एजेंसियों ने किया विशेष अदालत में छठवां आरोप पत्र दाखिल

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती कांग्रेस की भूपेश सरकार के दौरान हुए 32 सौ करोड़ के शराब घोटाले में आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आज (मंगलवार) रायपुर की विशेष अदालत में छठवां आरोप पत्र दाखिल किया। जांच एजेंसी ने अपनी छठी चार्जशीट में शराब घोटाले के पूरे सिंडिकेट के तौर-तरीकों के बारे में बताया। इसमें कहा गया है कि वर्षों तक सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर अरबों रुपये का घोटाला किया गया। एजेंसी के अनुसार वर्ष 2020-21 में राज्य सरकार द्वारा विदेशी शराब की आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा निजी कंपनियों को देने से लगभग 248 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हुआ है। इसके अनुसार, तत्कालीन प्रशासनिक अधिकारी अनिल टुटेजा, अरुणपति त्रिपाठी और अरविंद सिंह तथा अन्य आरोपितों ने मिलकर एक संगठित संगठन बनाया और इसके माध्यम से सरकारी शराब की दुकानों की आपूर्ति पर कमीशन, अतिरिक्त शराब उत्पादन

की अवैध बिक्री और विदेशी शराब की अवैध वसूली की व्यवस्था की गई। जांच के दौरान यह भी बात सामने आई कि वर्ष 2020-21 में नई शराब नीति लागू की गई। इन तीन निजी कंपनियों में शामिल ओम साईं बेवरेज से जुड़े विजय कुमार भाटिया को छिपा हुआ लाभार्थी घोषित किया गया है। विजय कुमार भाटिया इस कंपनी के लाभ का 52 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करते थे।जांच में लगभग ?14 करोड़ की राशि उनके नाम से जुड़ी मिली है। वहीं नेक्सजेन पावर इंजिटेक प्रा. लि से जुड़े संजय मिश्रा मनीष मिश्रा और अभिषेक सिंह को लगभग 11 करोड़ रुपये का लाभ हुआ। दिशिता वेंचर्स प्रा. लि. के मालिक आशीष सौरभ केडिया, एक पूर्व शराब प्रमोटर है। आरोप पत्र पेश करते हुए आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा ने अदालत को बताया कि पहले विदेशी शराब ब्रेवरेज कॉर्पोरेशन के ज़रिए राज्य बाजार तक पहुंचती थी, जिससे राजस्व सरकार के खाते में जाता था। वर्ष 2020-21 में नई आबकारी नीति लागू कर सरकारी प्रक्रियाओं को एक तरफ कर तीन निजी कंपनियों को सीधे लाइसेंस दिए गए। इन कंपनियों द्वारा शराब में 10 प्रतिशत मार्जिन लगाकर बिक्री की गई और इसे एफएल-10ए लाइसेंसिंग प्रक्रिया के ज़रिए वैध दिखाया गया। आरोप पत्र में बताया गया कि सिंडिकेट के करीबी अधिकारियों ने बिना जांच-पड़ताल या कानून प्रक्रिया के सब कुछ मंजूर करवाया। यह सिंडिकेट 2020 से 2023 तक सक्रिय है और इसे राजनीतिक एवं प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त था। अब तक छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में पूर्व प्रशासनिक अधिकारी अनिल टुटेजा, अरुण पट्टी त्रिपाठी, अनवर निरंजन दास, विकास अग्रवाल और अरविंद सिंह समेत कई नेताओं और कारोबारियों के नाम सामने आ चुके हैं। विजय कुमार भाटिया, संजय मिश्रा मनीष मिश्रा और अभिषेक सिंह को गिरफ्तार किया जा चुका है।

सरकार ने थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं के लिए गेहूं की स्टॉक सीमा घटाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आगामी त्योहारी सीजन से पहले महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में थोक एवं खुदरा व्यापारियों तथा प्रोसेसरों के लिए गेहूं की भंडारण सीमा (स्टॉक लिमिट) को घटा दी है। ये नई सीमा 31 मार्च 2026 तक लागू रहेगी। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि सरकार ने 31 मार्च, 2026 तक के लिए गेहूं की स्टॉक सीमा को संशोधित किया है।

अधिसूचना के मुताबिक थोक व्यापारियों के लिए स्टॉक लिमिट को मौजूदा 3,000 मीट्रिक टन (एमटी) से घटाकर 2,000 एमटी कर दिया गया है। खुदरा विक्रेता यानी प्रत्येक दुकान पर 10 मीट्रिक टन के स्थान पर अब 8 मीट्रिक टन गेहूं रखने की अनुमति होगी, जबकि बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा विक्रेता प्रत्येक दुकान पर पहले के 10 मीट्रिक टन के स्थान पर आठ मीट्रिक टन गेहूं रख सकते हैं। इसके अलावा प्रोसेसरों को अपनी मासिक स्थापित क्षमता के 70 फीसदी के स्थान पर 60 फीसदी को बनाए रखने की अनुमति होगी। अधिसूचना के मुताबिक सभी गेहूं स्टॉक रखने वाली एनटीटीज को हर शुक्रवार को गेहूं स्टॉक पोर्टल https://food-stock.dfpd.gov.in पर अपनी स्टॉक स्थिति घोषित /अपडेट करना अनिवार्य है। यदि कोई एनटीटी पोर्टल पर पंजीकृत नहीं पाई जाती है या स्टॉक सीमाओं का उल्लंघन करती है, तो उस पर आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 6 और 7 के तहत उचित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय के मुताबिक यदि उपरोक्त एनटीटीज द्वारा रखा गया स्टॉक निर्धारित सीमा से अधिक है।

मुख्यमंत्री ने जापान की एसएएस सानवा कंपनी को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए किया आमंत्रित

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका स्थित एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कंपनी को छत्तीसगढ़ में अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई तथा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ये परियोजनाएं न केवल कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करेंगी बल्कि उच्च-तकनीकी विनिर्माण को भी प्रोत्साहित करेंगी और राज्य के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर नए रोजगार अवसर सृजित करेंगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण, सुगम प्रक्रिया और प्रत्येक स्तर पर सहयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड की प्रस्तावित खाद्य प्रसंस्करण इकाई से किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और

कृषि आधारित उद्योगों को नई मजबूती प्राप्त होगी। साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा राज्य को उच्च-तकनीकी उत्पादन का नया केंद्र बनाएगी और युवाओं को आधुनिक उद्योगों से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री साय ने विश्वास जताया कि ये निवेश परियोजनाएं आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी उद्योग और निवेश का प्रमुख केंद्र बनाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता जनता की समृद्धि, युवाओं का भविष्य और निवेशकों का विश्वास है और इसी संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज बुधवार को गणेश चतर्थी के दिन सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। इसके विपरीत चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,02,440 रुपये से लेकर 1,02,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 93,900 रुपये से लेकर 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,20,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,02,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,02,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,02,490 रुपये प्रति

10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,02,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 93,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,02,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,02,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 93,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,02,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,02,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

कृषि क्षेत्र में आधुनिकता को अपनाने से किसान की आय हो रही दोगुनीः शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

भोपाल। केन्द्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय संस्कृति अद्भुत है। इसमें एक ही चेतना सभी प्राणियों में वास करती है। इस पवित्र धरा पर पशुओं में भी देवताओं का वास माना जाता है। आज हमारे देश के प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में किसान कल्याण के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं और नई-नई योजनाए लाई जा रही है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो और कृषि के साथ-साथ पशुपालन को भी जोड़कर उनके जीवन को और बेहतर बनाया जा रहा है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान भाई उसकी आत्मा है। आज कृषि के क्षेत्र में आधुनिकता को अपनाया जा रहा है, जिससे किसान की आय दोगुनी हो रही है। इसके साथ पशुपालन से जोडकर उनकी आय में वृद्धि की जा रही है। उन्होंने कहा कि बहनों के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना के साथ-साथ उन्हें लखपति दीदी बनाने का शासन

का लक्ष्य है और उसके लिए हम कृत संकल्पित है।केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान मंगलवार को मध्य प्रदेश के दतिया में पशु चकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यलय के आधुनिक पशु चिकित्सकीय परिसर, पशुधन और आवासीय परिसर के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा नागरिकों के लिए चिकित्सा के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की सुविधाएं दी जा रही है, तो क्यों न पशुओं को भी वहीं वेहतर सुविधाएं प्रदान की जाए, जिससे किसान भाई जो पशुपालन करते हुए एवं उनकी आजीविका उस पर निर्भर करती है, उनको फायदा मिलेगा और उनकी आमदनी बढ़ेगी। इस धारणा को ध्यान में रखते हुए नवीन परिसर का आज लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि किसान भाइयों को इस नवीन परिसर के लोकार्पण के बाद कई तरह से फायदा पहुंचेगा। वह अपने पशुओं का इलाज कराएंगे, साथ ही अपनी आमदनी पशुपालन में किस प्रकार बढ़ा सकते है। इसके लिए प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। पशुपालन को एफपीओ से भी जोड़ा जायेगा। किसान भाइयों के लिए पशु मेले का आयोजन भी किया जायेगा। दूध प्रोसिंग के लिए नई तकनीक को विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस नई सौगात से जागरण की नई बयार बहेगी, जिससे पशुपालकों का भी उद्धार होगा। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि मत्स्यिकी के कोर्स यहां प्रारंभ हो गए हैं।

सीबीआईसी ने जीएसटी दरों पर अटकलें न लगाने की दी सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने हितधारकों से आगामी परिषद की बैठक से पहले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों पर अटकलों से बचने का आग्रह किया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने 'एक्स' पोस्ट पर एक चेतावनी जारी कर जनता और मीडिया से जीएसटी की दरों में संभावित बदलावों पर अटकलें लगाने से बचने का आग्रह किया है। सीबीआईसी ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि जीएसटी दरों पर सभी निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा सामूहिक रूप से लिए जाते हैं। सीबीआईसी ने लिखा है कि कृपया अनुरोध है कि जीएसटी दरों पर अटकलों से बचें। इस संबंध में निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा सामूहिक रूप से लिए जाते हैं, जिसमें केंद्र और राज्य शामिल होते हैं। ऐसे में समय से पहले अटकलें लगाने से निराधार अफवाहें फैलती हैं और बाजार में अस्थिरता पैदा हो सकती है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने उद्योग और जनता को सलाह दी है कि वे 3 और 4 सितंबर, 2025 को होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक के बाद आधिकारिक घोषणाओं का इंतजार करें। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की बैठक 3-4 सितंबर को राजधानी नई दिल्ली में होगी। इस बैठक में जीएसटी से जुड़े सुधारों पर चर्चा होगी, जिसमें दो स्लैब वाले जीएसटी ढांचे पर विचार अहम रहेगा। बैठक में तीन मंत्रियों के समूह (जीओएम) की रिपोर्ट्स पर चर्चा होगी।

भारत पर ट्रंप का अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लागू, 5.4 लाख करोड़ रुपये के निर्यात पर पड़ेगा असर

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रूसी तेल की खरीद के लिए भारत पर लगाया गया अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ बुधवार से प्रभावी हो गया। इस तरह भारत पर अमेरिका की ओर से लगाया गया कुल शुल्क अब 50 फीसदी हो गया है। इससे 48.2 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा। अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने सोमवार को जारी मसौदा आदेश में कहा कि बढ़े हुए शुल्क उन भारतीय उत्पादों पर लागू होंगे जो 27 अगस्त, 2025 को पूर्वी डेलाइट समयानुसार रात 12:01 बजे या उसके बाद उपभोग के लिए प्रवेश किए गए हैं या उपभोग के लिए गोदाम से निकाले गए हैं। भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों पर 27 अगस्त से 50 फीसदी टैरिफ लागू हो गया है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक यह नया टैरिफ भारत के लगभग 5.4 लाख करोड़ रुपये के निर्यात को प्रभावित कर सकता है। ट्रंप ने 07 अगस्त को ही रूसी कच्चे तेल की भारत द्वारा की जाने वाली खरीद के लिए भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 फीसदी करने की घोषणा की थी, लेकिन समझौते पर बातचीत के लिए 21 दिन का समय दिया था। भारत के समान पर 50 फीसदी टैरिफ से अमेरिका में बिकने वाले कपड़े, जेम्स-ज्वैलरी, फर्नीचर, सी फूड जैसे भारतीय प्रोडक्ट्स महंगे हो जाएंगे। इससे इनकी मांग में 70 फीसदी की कमी आ सकती है। वहीं, चीन, वियतनाम और मेक्सिको जैसे कम टैरिफ वाले देश इन सामानों को सस्ते दाम पर बेचेंगे। इससे भारतीय कंपनियों की अमेरिकी बाजार में हिस्सेदारी कम होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी का पारस्परिक टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, जो 7 अगस्त को लागू हुआ, जिसके बाद करीब 70 अन्य देशों पर भी टैरिफ लागू हो गया। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत की ओर से रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ को दोगुना कर 50 फीसदी करने की घोषणा की थी।

एमएसई ने 1000 करोड़ रुपये की धनराशि जुटाने का दूसरा दौर सफलतापूर्वक पूरा किया

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज (एमएसई) ने पूंजी जुटाने के दूसरे दौर के सफलतापूर्वक पूरा होने की घोषणा की है, जिसमें 1000 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। यह उसके कायाकल्प के प्रयासों में एक और कदम है। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि यह उपलब्धि एक्सचेंज की बाजार स्थिति को मजबूत करने, परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने और दीर्घकालिक मूल्य सृजन को बढ़ावा देने की रणनीतिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एक्सचेंज के मुताबिक शेयरधारकों ने लतिका एस कुंडू को प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में तीन वर्ष की अवधि के लिए पुनः नियुक्त करने को भी अपनी मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बताया कि इन प्रस्तावों को भारी समर्थन मिला, जो एक्सचेंज के विजन और नेतृत्व के प्रति शेयरधारकों की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस फंड जुटाने के सफल समापन के साथ एमएसई जल्द इक्विटी कैश और उसके बाद डेरिवेटिव सेगमेंट में बाजार तरलता को बढ़ाने के लिए तैयार है। साथ ही नवीन उत्पादों और विभेदित सेवा पेशकशों को शामिल करते हुए रणनीतिक पहलों को आगे बढ़ाएगा। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए एमडी और सीईओ लतिका एस कुंडू ने कहा कि ये पूंजी निवेश एमएसई के विजन में हमारे हितधारकों के विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मजबूत वित्तीय सहायता और नवाचार पर तीव्र ध्यान के साथ एमएसई भारत के वित्तीय बाज़ारों की रूपरेखा को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हम एक अगली पीढ़ी का एक्सचेंज बना रहे हैं, जो चुस्त, समावेशी, प्रतिस्पर्धी है, जिसे न केवल वित्त के भविष्य में भाग लेने के लिए, बल्कि उसका नेतृत्व करने के लिए भी डिजाइन किया गया है। मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एमएसई) देश का सबसे युवा एक्सचेंज है। इसको मुद्रा डेरिवेटिव, इक्विटी डेरिवेटिव, इक्विटी और डेट सेगमेंट में स्टॉक एक्सचेंज के रूप में काम करने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मान्यता और लाइसेंस प्राप्त है।

डॉलर की तुलना में 9 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का नोटिफिकेशन जारी करने की वजह से बने नकारात्मक माहौल और स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की जोरदार बिकवाली के कारण भारतीय मुद्रा रुपया गिरावट के साथ बंद हुआ। वैश्विक दबाव की वजह से बने नकारात्मक माहौल और मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग बढ़ने के कारण डॉलर की तुलना में रुपये की गिरावट आज भी जारी रही। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 9 पैसे फिसल कर 87.68 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 87.59 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 14 पैसे की गिरावट के साथ 87.73 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपया और कमजोर होकर 22 पैसे की गिरावट के साथ 87.81 के स्तर तक भी पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में डॉलर की मांग में कमी आने लगी, जिसकी वजह से रुपये को निचले स्तर से सपोर्ट मिलने लगा। मुद्रा बाजार में बने सकारात्मक माहौल के कारण रुपया निचले स्तर से 19 पैसे की रिकवरी करके 3 पैसे की कमजोरी के साथ 87.62 के स्तर तक पहुंच गया।

सेल ने भारतीय नौसेना के युद्धपोतों के लिए 8,000 टन इस्पात की आपूर्ति की

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की स्टील उत्पादक और महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने भारतीय नौसेना के उन्नत अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि के लिए करीब 8,000 टन महत्वपूर्ण ग्रेड के स्टील की आपूर्ति की है।

इस्पात मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि इन युद्धपोतों का शुभारंभ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया है। इस्पात मंत्रालय के तहत संचालित सेल ने भारतीय नौसेना के 2 उन्नत फ्रंटलाइन युद्धपोतों, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि के लिए लगभग 8,000 टन क्रिटिकल-ग्रेड स्टील की आपूर्ति करके देश के रक्षा क्षेत्र के साथ अपनी महत्वपूर्ण साझेदारी जारी रखी है। मंत्रालय ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में विशाखापत्तनम में आयोजित एक समारोह के दौरान इन दोनों फ्रिगेटों को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। सेल ने भारतीय नौसेना के इन दोनों उन्नत युद्धपोतों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) के साथ साझेदारी करते हुए अपने बोकारो, भिलाई और राउरकेला स्टील प्लांट्स से क्रिटिकल ग्रेड की हॉट-रोल्ड शीट और प्लेट्स की आपूर्ति की। भारतीय नौसेना के लिए क्रिटिकल-ग्रेड स्टील के विकास और आपूर्ति के जरिये, सेल ने आयात प्रतिस्थापन और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस्पात मंत्रालय ने कहा कि यह सीधे तौर पर 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहलों से जुड़ा हुआ है, जो रक्षा जरूरतों के लिए विशेष गुणवत्ता वाले स्टील उपलब्ध करने की दिशा में भारत की आयात पर निर्भरता को घटाता है। अकेले राउरकेला स्टील प्लांट के 'स्पेशल प्लेट प्लांट÷ ने टैंक, युद्धपोतों और मिसाइलों जैसे रक्षा अनुप्रयोगों के लिए एक लाख टन से भी अधिक क्रिटिकल-ग्रेड स्टील की आपूर्ति की है। देश के रक्षा क्षेत्र के साथ सेल की स्थायी साझेदारी अच्छी तरह से स्थापित है, जिसमें आईएनएस विक्रांत, आईएनएस नीलगिरी, आईएनएस अजय, आईएनएस निस्तार, आईएनएस अर्णाला, आईएनएस विंध्यगिरि और आईएनएस सूरत जैसे प्रतिष्ठित जहाजों के लिए महत्वपूर्ण-ग्रेड स्टील की आपूर्ति का एक गौरवपूर्ण इतिहास है। यह अटूट प्रतिबद्धता एक विश्वसनीय राष्ट्रीय निर्माता और देश के चल रहे नौसैनिक आधुनिकीकरण में एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में सेल की स्थिति को मजबूत करता है।

कभी तीखा जवाब, तो कभी पैसे का रौब... तीसरे ही दिन तान्या मित्तल को मिलने लगे ये टैग

टेलीविजन का सबसे फेमस रियलिटी शो बिग बॉस लोगों के बीच चर्चाएं बटोर रहा है. 24 अगस्त को बिग बॉस के 19वें सीजन की शुरुआत हुई है, जिसमें 16 कंटेस्टेंट्स शामिल हुए. इनमें से कुछ फिल्मी और टीवी के सितारे हैं. तो वहीं कुछ सोशल मीडिया के इंफ्लूएंसर भी आए हुए हैं. बिग बॉस को कॉन्ट्रोवर्शियल शो के तौर पर तो जाना ही जाता है, लेकिन 19वें सीजन में शुरुआत में ही लोगों को राजनीति करते हुए देखा जा रहा है.बिग बॉस के घर में शुरुआत में ही जहां लोग एक-दूसरे को जानने समझने में लगे रहते हैं, वहीं इस सीजन में लोग 2-3 दिन के अंदर ही घर के बाकी सदस्यों को लेकर तरह-तरह की राय बनाने लगे हैं. कमाल की बात है, केवल घरवाले ही नहीं बल्कि ऑडियंस भी सभी कंटेस्टेंट्स को लेकर कोई न कोई टैग देना भी शुरू कर चुकी है. लेकिन, सभी के बीच सबसे ज्यादा जिस सदस्य को लेकर हो रही है, वो तान्या मित्तल हैं. तान्या लोगों के बीच अपने बयानों को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं.

तान्या को लेकर बात

दरअसल, हाल ही में शो का प्रोमो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है, जिसमें नेहल नगमा और मृदुल के साथ बैठकर तान्या के बारे में बात करते दिख रही हैं. इस दौरान उन्होंने कहा कि तान्या को पैसों का रौब है. दरअसल, तान्या के साथ बिताए वक्त का अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए नेहल ने कहा, मैं कल उन्हें वर्कआउट करा रही थी, इस दौरान उसने 4-5 बार कहा कि मैं तुम्हारे जिम में इन्वेस्ट करुंगी. बात करते हुए नेहल ने नगमा से कहा कि क्या मेरे जिम में मैं इन्वेस्ट नहीं कर सकती.

तान्या में पैसे का रौब है

नेहल ने आगे कहा कि मानते हैं कि वो सेल्फ मेड है और उसमें पैसे का रौब है, लेकिन हम भी सेल्फ मेड हैं. हालांकि, वहीं दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर तान्या का एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो कुनिका और मृदुल से बात करते हुए बताती हैं कि उन्हें कोई नाम से बुलाता है तो उन्हें ये अच्छा नहीं लगता. इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि उनके घर में लोग उन्हें नाम से नहीं, बल्कि बॉस कहकर बुलाते हैं. तान्या ने आगे कहा कि लड़कियों को रिस्पेक्ट आसानी से नहीं मिलती न.

कुनिका को तीखा जवाब

हालांकि, इस दौरान कुनिका कहती हैं कि जब आपको इज्जत कमाने के लिए खुद को बॉस बुलवाना पड़े तो आप वहीं फेल हो गए. हालांकि, इस पर तान्या ने जवाब देते कहा कि आपने ये इज्जत सालों में कमाई है और मैं नहीं चाहती कि जब मैं 50 साल की हूं तब मेरी इज्जत हो मैं अभी चाहती हूं. हालांकि, इस वीडियो पर तान्या को लेकर काफी नेगेटिव कमेंट्स आ रहे हैं, जिसमें कुछ लोग उन्हें इगोइस्टिक कह रहे हैं, वहीं कुछ लोग तान्या को घमंडी कह रहे हैं.

विकी कौशल की बड़ी फिल्म को झटका! रणबीर से पहली 'जंग' पड़ गई बहुत भारी

अब विकी कौशल की बारी है. वो एक बड़ी फिल्म से वापसी को तैयार हैं. हालांकि, अगली फिल्म के लिए पूरी तैयारी कर रखी थी. पर उनकी बड़ी पिक्चर को तगड़ा झटका लगा है. उस फिल्म से विकी कौशल का पहला लुक भी सामने आ गया था. जिसे साल 2026 में लाने की प्लानिंग भी चल रही थी. पर रणबीर कपूर की फिल्म के चक्कर में पूरा खेल गड़बड़ हो गया है. दरअसल उनकी पहली फिल्म 'लव एंड वॉर' 2026 की शुरुआत में ही रिलीज हो जाएगी. पर एक और फिल्म आ रही थी- 'महावतार'. उस पर बहुत बड़ा अपडेट सामने आ गया है. जानिए क्या ?एक वेब साइट के मुताबिक, विकी कौशल की 'महावतार' अब अगले साल नहीं आएगी. इसे फिलहाल मैडॉक वालों ने पोस्टपोन कर दिया है. पहले बताया गया था कि क्रिसमस 2026 में इस फिल्म को रिलीज किया जाएगा. लेकिन अब क्योंकि फिल्म पोस्टपोन हुई है, तो यह तारीख दूसरी फिल्मों के लिए खुल गई है. अब शाहरुख खान चाहें तो इस तारीख पर अपनी 'किंग' को रिलीज कर सकते हैं. पर फिल्म पोस्टपोन हुई क्यों ?

क्यों पोस्टपोन हुई विकी की फिल्म ?

जानकारी के मुताबिक, इस साल के एंड तक फिल्म 'महावतार' को फ्लोर पर लाने की उम्मीद थी. पर अब ऐसा नहीं हो पाएगा. जिसके चलते फिल्म का शूट अगले साल अप्रैल में शुरू किया जाएगा. और वहां से दिसंबर में फिल्म को रिलीज करना बेहद मुश्किल है. यही वजह है कि फिल्म को 2027 के लिए शिफ्ट किया गया है. हालांकि, यह देरी इस वजह से हो रही है क्योंकि 'लव एंड वॉर' का काम अबतक पूरा नहीं हो पाया है. इस पीरियड रोमांस फिल्म में विकी कौशल भी काम कर रहे हैं. जिसका शूट खत्म होने में उम्मीद से ज्यादा वक्त लग गया है.हालांकि, उससे भी जरूरी है विकी कौशल की अगली फिल्म के लिए ट्रेनिंग. दरअसल वो 'महावतार' में भगवान परशुराम का किरदार निभाने वाले हैं. जिसके लिए मस्कुलर फिजिक्स चाहिए. और उसके लिए इंटेंस फिजिकल ट्रेनिंग भी लेनी होगी. जिसके बाद 6 महीने की शूटिंग और आखिर में पोस्ट प्रोडक्शन के लिए वक्त चाहिए होगा. अब क्योंकि आखिरी लेवल पर ज्यादा वक्त लगेगा, क्योंकि फिल्म में ष्टत्रढ्ढ, विजुअल इफेक्ट पर ज्यादा फोकस किया गया है.

कब रिलीज होगी विकी की ये फिल्म ?

दरअसल अबतक मैडॉक की तरफ से नई रिलीज डेट को लेकर जानकारी नहीं मिल पाई है. पर सोर्स के मुताबिक, मेकर्स स्वतंत्रता दिवस 2027 के हफ्ते में फिल्म को लाने पर चर्चा कर रहे हैं.

बॉलीवुड का हिस्सा नहीं बनेंगी अजय-काजोल की बेटी? ये है फैसले के पीछे की वजह

बॉलीवुड इंडस्ट्री में हर साल सितारों के बच्चे फिल्मों में कदम रख रहे हैं. इस साल रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी, अनन्या पांडे के भाई अहान पांडे और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान ने अपने-अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की. अब फैन्स काजोल और अजय देवगन की बेटी नीसा को भी फिल्मों में देखना चाहते हैं. नीसा ने अपने ट्रांसफॉर्म से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है. लेकिन इसी बीच काजोल ने हिंट दिया है कि उनकी बेटी बॉलीवुड में कदम नहीं रखेंगी.हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान काजोल ने इस बात को कंफर्म किया है कि उनकी बेटी फिल्म इंडस्ट्री में शामिल नहीं होंगी. इसके पीछे की एक वजह नेपो किड्स की कड़ी आलोचना भी है. काजोल ने कहा, वह एक्टिंग में कदम नहीं रख रही हैं. वह 22 साल की हैं और उन्होंने लगभग तय कर लिया है कि वह इंडस्ट्री में नहीं आएंगी.

फायदे और नुकसान दोनों हैं -काजोल

काजोल ने नेपोटिज्म पर अपने विचार शेयर करते हुए कहा, जब आप फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री करते हैं, तो आपको यह समझना होगा कि इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं और आपको जांच से गुजरना होगा. इसमें से कुछ कठोर होता है, कुछ हास्यास्पद और भयानक, लेकिन यह सब आपकी ग्रोथ और जर्नी का हिस्सा है. यह ऐसी चीज है जिसका सामना हर किसी को करना पड़ता है. यह ऐसा कुछ नहीं है जिसके बारे में आपके पास कोई ऑप्शन हो.

बॉलीवुड में नहीं आएंगी नीसा - काजोल

इस साल मार्च में एक मीडिया चैनल के इवेंट के दौरान, काजोल ने खुलासा किया था कि उनकी बेटी नीसा ने मन बना लिया है और वह फिल्म इंडस्ट्री में कदम नहीं रखेंगी. नीसा के फिल्म इंडस्ट्री में आने की अटकलों पर बात करते हुए, उन्होंने कहा कि उनकी बेटी का फिलहाल एक्टिंग में करियर बनाने का कोई इरादा नहीं है. काजोल ने कहा, बिल्कुल नहीं..नहीं, मुझे लगता है..वो 22 साल की हो गई है..होने वाली है अभी.. मुझे लगता है कि उसने अपना मन बना लिया है कि वो इंडस्ट्री में नहीं आने वाली है अभी.

राजकुमार राव की बड़ी फिल्म में होगी ये एक्ट्रेस, जिसके साथ मिलकर छापे 88 करोड़

राजकुमार राव ने अपनी फिल्मों से फैन्स को काफी इम्प्रेस किया है. इस वक्त उनके खाते में कई बड़ी फिल्में हैं. कुछ पर काम किया जा रहा है, तो कुछ पर जल्द होगा. इसी बीच अगली फिल्म पर बड़ा अपडेट मिल गया है. दिनेश विजन और राजकुमार राव की पिक्चर पर एक नई एक्ट्रेस की एंट्री हुई है. जिसके बाद वो पहले भी काम कर चुके हैं.

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव की कुछ वक्त पहले फिल्म 'मालिक' आई थी. जिसमें वो खूब सारा एक्शन करते दिखे थे. पर फिल्म से उन्हें जैसी उम्मीदें थी, वैसा परफॉर्म नहीं कर पाई. स्त्री एंड पार्ट 2 से एक्टर ने सबको काफी इम्प्रेस किया है. एक बार फिर कुछ वैसा ही कमाल दिखाने की कोशिश में हैं. वो इस वक्त Ujjwal Nikam की बायोपिक पर काम कर रहे हैं. जिसके लिए राजकुमार राव को एक्ट्रेस मिल गई है. इस फिल्म में एक नहीं, बल्कि दो खास बातें हैं. पहली यह कि राजकुमार राव और दिनेश विजन छठी बार साथ काम कर रहे हैं. साथ ही जिस एक्ट्रेस की एंट्री हुई है, वो राजकुमार राव के साथ पहले भी काम कर चुकी हैं.राजकुमार राव की अगली फिल्म पर तेजी से काम किया जा रहा है. हाल ही में एक न्यूज वेब साइट पर छपी खबर से बड़ा अपडेट मिला. जिससे पता लगा कि फिल्म अक्टूबर 2025 में फ्लोर पर जाने के लिए पूरी तरह तैयार है. वहीं अब उनके साथ वामिका गब्बी भी टीम का हिस्सा हैं.

राजकुमार की किसके साथ बनी जोड़ी ?

नई रिपोर्ट के मुताबिक, राजकुमार राव की इस फिल्म में वामिका गब्बी भी होंगी. जो पिछली फिल्म में साथ थीं. उनकी 'भूल चूक माफ' ने दुनियाभर से 88 करोड़ का कारोबार किया था. हालांकि, दोनों की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया था. अब एक बार फिर मेकर्स दोनों की जोड़ी को साथ लाने के लिए एक्साइटेड हैं. हालांकि, उन्हें एकदम अलग अंदाज में पेश किया जाएगा. जो पिछली फिल्म से एकदम अलग होने वाला है.हालांकि, दोनों एक्टर्स को सीरियस रोल में देखना काफी दिलचस्प होगा. जहां उनकी पिछली फिल्म एकदम अलग जॉनर की थी. तो इस बार रियल लाइफ कैरेक्टर्स और इवेंट्स को बड़े पर्दे पर दिखाने का मौका मिल रहा है. हालांकि, दोनों अपने रोल के लिए लगातार काम कर रहे हैं. कहा जा रहा है कि राजकुमार और वामिका सितंबर में कुछ वर्कशॉप में हिस्सा लेने वाले हैं. हालांकि, यह आज कल काफी नॉर्मल है. अक्टूबर में फिल्म की शूटिंग शुरू होनी है. उससे पहले ही अपने रोल के लिए तैयारी करनी होगी.

किसका रोल कर रहे राजकुमार ?

दरअसल उज्ज्वल निकम की बायोपिक में राजकुमार राव लीड रोल में होंगे. कहा जा रहा है कि फिल्म की कहानी उनके सबसे मुश्किल और विवाद वाले मामलों पर केंद्रित की जाएगी. जिसमें 1993 के बॉम्बे ब्लास्ट और 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले शामिल हैं. फिल्म को लेकर राजकुमार राव भी काफी एक्साइटेड हैं.

डीएस डोसा फैक्ट्री लिमिटेड के झिलमिल ब्रांच ने आठ साल पूरे किए

दिव्य दिल्ली : सन 2016 में संजय भारद्वाज द्वारा स्थापित डीएस डोसा फैक्ट्री लिमिटेड दक्षिण भारतीय रेस्तरां की एक प्रसिद्ध चेन है, जो दक्षिण भारतीय व्यंजनों के साथ-साथ चाइनीज और नॉर्थ इंडियन व्यंजन भी पेश करती है। हाल ही में कंपनी की झिलमिल ब्रांच ने आठ साल पूरे किए, इस खास अवसर पर पदम-जितेंद्र सिंह शंटी, एमटीवी रोडीज फेम सूरज चौधरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। संजय भारद्वाज और कंपनी के निदेशकों ने दीप प्रज्ज्वलित कर और केक काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संजय भारद्वाज ने अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया और अपने लाखों कस्टमर्स का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर राजस्थान, पंजाब और दिल्ली में नए खुलने वाले आउटलेट्स की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गए और रंगारंग मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कंपनी के निदेशकों ने उम्मीद जताई कि ग्राहकों का प्रेम और सहयोग नए आउटलेट्स में भी बरकरार रहेगा।

रेकी एंड एस्ट्रो हीलिंग इंस्टीट्यूट द्वारा रेकी हीलर्स हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं दीक्षांत समारोह आयोजित

दिव्य दिल्ली : विश्वविख्यात रेकी एंड एस्ट्रो हीलिंग इंस्टीट्यूट यानी राही इंस्टीट्यूट द्वारा दिल्ली के राही वेलनेस सेंटर द्वारका में विद्यार्थियों हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में 10 से अधिक रेकी एडवांस हीलर्स, रेकी मास्टर्स एवं पास्ट लाइफ हीलर्स को प्रमाण पत्र वितरित किए गए । सभी विद्यार्थियों ने यह कोर्स सीखने के पश्चात, उनके जीवन में आए आध्यात्मिक सकारात्मक परिवर्तनों एवं उनके द्वारा किए गए सफल उपचारों के बारे में बताया और राही इंस्टीट्यूट के संस्थापक व संचालक गुरुजी डॉ. उमाकांत शर्मा जी के आध्यात्मिक व्यक्तित्व एवं उनकी शानदार शिक्षा प्रणाली व उपचार व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए प्रेरक व्यक्तव्य प्रस्तुत किए।

राही इंस्टीट्यूट गत 20 वर्ष से लगभग 50 से अधिक आध्यात्मिक परंपरागत उपचार पद्धतियों में संपूर्ण विश्व में व्यापक रूप से कार्यरत है । इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के रूप में डॉ. प्रकाशी शर्मा जी, डॉ. अलका प्रियदर्शनी जी, रेकी मास्टर तुषार वर्मा जी, रेकी मास्टर देवजानी भट्टाचार्य जी, आचार्य पूजा रहेजा जी, टैरो तरूना कामरा जी, एडवांस हीलर रजनी जी, शिल्पा जी एवं रेकी हीलर युक्ता जी उपस्थित हुए। राही इंस्टीट्यूट हमेशा अपने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य एवं आध्यात्मिक सफलता की कामना करता है।

लव कुश रामलीला कमेटी का प्रतिनिधि मंडल सांसद खंडेलवाल के नेतृत्व में दिल्ली पुलिस आयुक्त गोलचा से मिला

दिव्य दिल्ली : लव कुश रामलीला कमेटी का प्रतिनिधि मंडल सांसद श्री प्रवीण खंडेलवाल के नेतृत्व में दिल्ली पुलिस आयुक्त श्री सतीश गोलचा से मिला। इस दौरान कमेटी के महामंत्री श्री सुभाष गोयल ने पुलिस आयुक्त को लीला अवलोकन हेतु निमंत्रण पत्र भेंट किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। मौके पर उनका गर्मजोशी से स्वागत भी किया गया। श्री गोयल ने जानकारी दी कि रामलीला मंचन समारोह 22 सितंबर से 3 अक्टूबर तक आयोजित होगा, जबकि दशहरा का भव्य आयोजन 2 अक्टूबर को संपन्न होगा। उन्होंने कहा कि यह रामलीला केवल श्रद्धा का विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर है जो मयार्दा, भाईचारा, प्रेम, सौहार्द और एकता का संदेश देती है। रामलीला के मंचन से लोग प्रभु श्रीराम के आदर्श जीवन से प्रेरणा प्राप्त करते हैं और बच्चों को भी उत्तम संस्कार मिलते हैं। इस वर्ष भी रामलीला उत्साह और भव्यता के साथ मनाई जाएगी, जिसका उद्देश्य समाज में प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के वातावरण को और मजबूत करना है।

यूपी के शाहजहांपुर में बेटे को जहर देने के बाद दंपति ने की खुदकुशी

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद शाहजहांपुर के रोजा थाना क्षेत्र में बुधवार को आर्थिक परेशानियों के चलते दंपति ने मासूम बेटे को पहले जहर दिया और फिर खुद भी फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। सूचना पर पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का मौका मुआयना किया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रोजा थाना क्षेत्र में स्थित दुर्गा एन्क्लेव कालोनी निवासी सचिन ग्रोवर (36) उनकी पत्नी शिवांगी (34) ने बीती मंगलवार देर रात किसी समय अपने पुत्र फतेह (4) को पहले जहरीला पदार्थ दिया और फिर दोनों ने खुद भी फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। आज सुबह परिवार के अन्य सदस्यों को घटना की जानकारी हुई और उन्होंने सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची फारेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्रित किए और थाना पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एसपी ने बताया कि पुलिस को सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें आर्थिक परेशानियों के चलते यह कदम उठाने की बात कही गई है। घटना की गहनता से जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

प्रयागराज: मुठभेड़ में गोली लगने से बदमाश घायल, लूट के जेवरात बरामद

प्रयागराज। उप्र के प्रयागराज जिले में स्थित फूलपुर थाना क्षेत्र के सरफानपुर गांव के पास बुधवार की भोर में हुई मुठभेड़ के दौरान मोटर साइकिल सवार बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि उसका एक साथी भागने में कामयाब हो गया। उसकी तलाश में पुलिस की टीमें संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है। घायल बदमाश के कब्जे से लूट के लगभग एक किग्रा सफेद धातु के जेवरात बरामद हुए है। यह जानकारी बुधवार को पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने दी।

उन्होंने बताया कि गोली से घायल बदमाश प्रतापगढ़ जिले के जेठवारा थाना क्षेत्र में स्थित सरायलहर गांव निवासी रमेश रूप है। पुलिस टीम ने उसके कब्जे से एक मोटरसाइकिल, एक तमंचा और दो खोखा एवं एक कारतूस तथा एक बैग बरामद हुआ है। जिसमें सफेद धातु के लगभग एक किग्रा चांदी के जेवरात बरामद हुए है।

पूछताछ के दौरान गोली से घायल बदमाश ने बताया? कि 24 अगस्त को फूलपुर थाना क्षेत्र में शिव शंकर सोनी से अपने दो साथियों के साथ मिलकर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। बरामद किए जेवरात शिवशंकर सोनी से लूटे गए है। इस संबंध में फूलपुर थाने में मुकदमा दर्ज करके विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एनएमआरसी की बोर्ड बैठक में नई परियोजनाओं की रिपोर्ट पर मंथन

नोएडा। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन एनएमआरसी ग्रेटर नोएडा डिपो से बोड़ाकी, वह सेक्टर 142 से बोटैनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन तक निर्माण के लिए अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। इसमें डिपो से बोड़ाकी तक परियोजना की मंजूरी केंद्र सरकार से मिल चुकी है। इन दोनों परियोजनाओं के लिए बजट का आकलन किया जा चुका है।

मंगलवार को सेक्टर 29 स्थित एनएमआरसी दफ्तर में हुई बोर्ड बैठक में स्टेट्स रिपोर्ट रखी गई। बोर्ड में बजट और ऑडिट रिपोर्ट भी रखी गई। यह भी बताया गया कि प्राधिकरण से 14 करोड़ का भुगतान कर दिया गया है। सेक्टर 142 मेट्रो स्टेशन के नाम के साथ को- ब्रांडिंग में माइक्रोसॉफ्ट के साथ करार करने की मंजूरी बोर्ड से ली गई है।

विश्वविद्यालय के ज्ञान को समाज व राष्ट्र के कल्याण में लगाएं डिग्रीधारी : आनंदीबेन पटेल

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल/कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने आज मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय के दशम दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की और विभिन्न शोधार्थियों को उपाधि एवं छात्र छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किये।

इस अवसर पर महामहिम ने विश्वविद्यालय के न्यूज लेटर तथा विभिन्न अध्यापकों द्वारा रचित पुस्तकों का विमोचन एवं जनपद कुशीनगर के आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट भी प्रदान किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने उपाधि, गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय प्रगति की ओर अग्रसर है। यह विश्वविद्यालय उस मुकाम की ओर अग्रसर है जहां पहुचना हमारा लक्ष्य होता है। आज यहां परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को भी सम्मानित किया गया। इन विधार्थियों में खेल, नृत्य, गायन, वाचन प्रतिभाएं है, लेकिन यह तभी पता चलता है जब इन्हें प्रतियोगिताओं में सम्मिलित करते है। यह प्रसन्नता की बात है कि विश्वविद्यालय ने अपने दीक्षांत समारोह के अवसर पर इन बच्चों के बीच प्रतियोगिता कराकर इन्हें पुरस्कृत कराने का कार्य किया। उन्होंने छात्रों से कहा कि आज आप सबने ज्ञान प्राप्त कर लिया, यह बहुत बड़ी बात नही है। बड़ी बात यह है कि हम सबको प्राप्त इस ज्ञान को अब समाज व राष्ट्र के कल्याण में लगाना है। जिस प्रकार वृक्ष फल लगने पर झुक जाता है और अपने फल मानव कल्याण के लिए समर्पित कर देता है उसी प्रकार हम सबको अपने ज्ञान, रिसर्च एवं नवाचार को समाज के कल्याण में लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सबको पढ़ने की आदत को लगातार बढ़ाना चाहिए। विश्वविद्यालय तथा छात्रों को छोटे बच्चों के बीच जाकर पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। हमें समय समय पर उनको मार्गदर्शन देकर उनका ज्ञानवर्धन करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय को छात्रों के ज्ञान में वृद्धि हेतु अच्छी लाईब्रेरी की व्यवस्था करनी चाहिए। विश्वविद्यालयों को परिषदीय विद्यालयों में भी लाईब्रेरी की उपलब्धता की दिशा में कार्य करना चाहिए। विश्वविद्यालय को अपने ज्ञान के माध्यम से ग्रामीण विकास किसान कल्याण, युवा कल्याण, की दिशा में अग्रसर होना चाहिए। विश्वविद्यालय एवं छात्रों का यह दायित्व है कि वह अपने ज्ञान और कौशल को गांव, किसान, युवा एवं बच्चों तक पहुंचाये।

उन्होंने कहा कि पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा सीएसआईआर के माध्यम से विश्वविद्यालय में एक महिला छात्रावास का निर्माण किया गया है। संस्था का यह कार्य उनके सीएसआईआर फण्ड के सदुपयोग को दशार्ता है। सीएसआईआर या अन्य माध्यम से हमें इस प्रकार के कार्यक्रम को निरंतर आगे बढ़ाना चाहिए। छात्रावास की व्यवस्था से दूर दराज के छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने में बहुत की सहुलियत होती

हत्या की कोशिश में दो अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। नैनी थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के अभियोग के दो नामजद अभियुक्त गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त एक रायफल बरामद किया है। पकड़े गए अभियुक्तों में सूर्यकान्त मिश्रा निवासी कमला नगर धनुआ थाना नैनी प्रयागराज, अजीत मिश्रा निवासी कमला नगर धनुआ थाना नैनी प्रयागराज उसके घर से पकड़ा है। घर की तलाशी में लाइसेंसी रायफल बरामद किया है।

25 अगस्त को सरोज तिवारी पत्नी दिलीप तिवारी निवासी धनुआ डांडी जनपद प्रयागराज की तहरीर पर उसकी जमीन पर कब्जा को लेकर गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देने के अलावा लाइसेंसी राइफल से फायरिंग की गई थी। नैनी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।

परमजीत सिंह पम्मा और अध्यक्ष राकेश यादव ने भारत पर 50% टैरिफ लगाने के फैसले की कड़ी निंदा की

दिव्य दिल्ली : फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा और अध्यक्ष राकेश यादव ने अमेरिका सरकार द्वारा भारत पर 50% टैरिफ लगाने के फैसले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह टैरिफ भारत की अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक साबित होगा और दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों पर नकारात्मक असर डालेगा। पम्मा और यादव ने अमेरिका के इस कदम को अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया, जिससे भारत की आर्थिक वृद्धि धीमी पड़ सकती है और व्यापार युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिसका नुकसान दोनों देशों को उठाना पड़ेगा। उन्होंने अपील की कि अमेरिका को अपने इस फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए और भारत के साथ सहयोग व समझौते के जरिए समाधान निकालना चाहिए। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी आग्रह किया कि व्यापारियों को जीएसटी में अधिक राहत दी जाए और सस्ते दरों पर लोन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए, ताकि स्वदेशी उत्पाद वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना कर सकें और देश के उपभोक्ताओं को किफायती दामों पर सामान उपलब्ध हो सके।

छिनैती का आरोपी 25 हजार का ईनामिया अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज । थाना धूमनगंज पुलिस द्वारा छिनैती से सम्बन्धित प्रकाश मे आये अभियुक्त रिशु भारतीया पुत्र उमेश भारतीया निवासी 4/7 बी सदियापुर थाना करैली जनपद प्रयागराज को मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर आर्मी कालोनी के सामने वाली रोड कालिन्दीपुरम थाना क्षेत्र धूमनगंज से गिरफ्तार किया गया व उसके कब्जे से छीनी गयी चेन (पीली धातु) को बेचने से प्राप्त रुपयों में से 820 रुपये नकद बरामद किये गये । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

घटना का संक्षिप्त विवरण

वादिनी मुकदमा श्रीमती पुष्पा मिश्रा पत्नी अरुण मिश्रा निवासी ब्रम्हराज एनेक्स प्लाट नं0-101 सेक्टर 9 ऐरोली नवी मुम्बई द्वारा थाना धूमनगंज पुलिस को सूचना दी गयी कि मोटर साइकिल सवार 02 अज्ञात अभियुक्त वादिनी के गले से चेन छीन कर भाग गये ।

नोएडा के सेक्टर 31 स्थित जर्जर फ्लैटों को तोड़कर नोएडा प्राधिकरण करेगा नवनिर्माण

नोएडा। नोएडा विकास प्राधिकरण सेक्टर 31 के सी -ब्लॉक स्थित करीब 40 साल पुराने बने जनता फ्लैट को तोड़कर दोबारा से यहां पर नए फ्लैट बनाएंगा। यहां स्थित 128 फ्लैटो को प्राधिकरण ने जर्जर घोषित कर दिया है। फ्लैटो को खाली करने के लिए प्राधिकरण वहां रहने वाले लोगों को नोटिस जारी कर रहा है। प्राधिकरण ने इन्हे तोड़कर री-डेवलपमेंट पॉलिसी के तहत फिर से बनवाने का निर्णय लिया है। अगली बोर्ड बैठक में पॉलिसी को विस्तार देने का प्रस्ताव रखा जाएगा। इसके बाद फ्लैट बनाने के लिए प्राधिकरण टेंडर जारी करेगा।

नोएडा विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर लोकेश एम ने बताया कि सेक्टर 31 के सी- ब्लॉक स्थित जनता फ्लैटो को प्राधिकरण ने जर्जर घोषित कर दिया है। निवासियों को फ्लैट को खाली करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि ये फ्लैट प्राधिकरण री- डेवलपमेंट पॉलिसी के तहत तुड़वाकर नए तरीके से बनवाएगा। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण द्वारा आवंटित की गई अन्य दूसरी पुरानी सोसाइटियों का भी निरीक्षण करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जो सोसाइटी 30 साल पहले प्राधिकरण द्वारा बनाकर आवंटित की गई थी और जर्जर है उनका वर्क सर्किल वं नियोजन विभाग द्वारा निरीक्षण करवा कर उनकी रिपोर्ट मंगवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि मुख्य रूप से सेक्टर 71,73, सेक्टर 66, सेक्टर 93, सेक्टर 122, सेक्टर 40 सहित विभिन्न सेक्टर में प्राधिकरण द्वारा बनाई गई सोसाइटी हैं जो 80 और 90 की दशक में बनाई गई थी। वही नोएडा प्राधिकरण द्वारा फ्लैटो को तोड़कर निर्माण करने के आदेश से वहां रहने वाले लोगों की स्थिति असमंजस में है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397